मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR

एम.ए. हिंदी पाठयक्रम

(SYLLABUS OF POST GRADUATE HINDI)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित

(Based on National Education Policy 2020)

मानविकी संकाय

(FACULTY OF HUMANITIES)

Post Graduate Course (Arts- Hindi)

2023-24 *onwards*

SYLLABUS

M.A. PROGRAM IN HINDI

(BASED ON NATIONAL EDUCATION POLICY-2020)

Level	Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Delivery Type Total Hours				Credit	Internal Assessment		M. M.	Remarks
					L	T	P						
8	I	DCC	HIN8000T	हिंदी साहित्य का इतिहास (प्राचीन एवं मध्यकाल)	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DCC	HIN 8001T	भारतीय काव्यशास्त्र	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DCC	HIN 8002T	आदिकालीन काव्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DCC	HIN 8003T	भक्तिकालीन काव्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DCC	HIN 8004T	हिंदी कहानी	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DCC	HIN 8005T	भाषा विज्ञान	L	T	-	60	4	20	80	100	
8	II	DCC	HIN 8006T	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DCC	HIN 8007T	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DCC	HIN 8008T	रीतिकालीन हिंदी काव्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DCC	HIN 8009T	आधुनिक हिंदी काव्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DCC	HIN 8010T	हिंदी उपन्यास	L	T	-	60	4	20	80	100	
		GEC	HIN 8100T	रचनात्मक लेखन	L	T	-	60	4	20	80	100	
			HIN 8101T	प्रयोजनमूलक हिंदी	L	T	-	60	4	20	80	100	

EXIT WITH PG DIPLOMA IN HINDI

Level	Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Delivery Type Total Hours				Credit	Internal Assessment		M. M.	Remarks
9	III	DCC	HIN 9011T	निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DCC	HIN 9012T	हिंदी नाटक	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-I	HIN 9102T	कंप्यूटर और हिंदी भाषा	L	T	-	60	4	20	80	100	
			HIN 9103T	समकालीन हिंदी कविता	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-II	HIN 9104T	विशेष अध्ययन - कबीर	L	T	-	60	4	20	80	100	
			HIN 9105T	विशेष अध्ययन - गोस्वामी तुलसीदास	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-III	HIN 9106T	विशेष अध्ययन - सूरदास	L	T	-	60	4	20	80	100	
			HIN9107T	विशेष अध्ययन - मीरां	L	T	-	60	4	20	80	100	
		GEC	HIN 9108T	जनसंचार माध्यम और हिंदी	L	T	-	60	4	20	80	100	
			HIN 9109T	रंगमंच : विविध आयाम	L	T		60	4	20	80	100	

9	IV	DCC	HIN 9013T	हिंदी आलोचना	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-IV	HIN 9110T	तुलनात्मक भारतीय साहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			HIN 9111T	हिंदी साहित्य और सिनेमा	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-V	HIN 9112T	राजस्थान का हिंदी साहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			HIN 9113T	लोक साहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-VI	HIN 9114T	विशेष अध्ययन - छायावाद	L	T	-	60	4	20	80	100	
			HIN 9115T	हिंदी कविता में राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-VII	HIN 9116T	विशेष अध्ययन - प्रेमचंद	L	T	-	60	4	20	80	100	
			HIN 9117T	विशेष अध्ययन - महादेवी वर्मा	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-VIII	HIN 9118T	हिंदी साहित्य के विविध विमर्श	L	T	-	60	4	20	80	100	
			HIN 9119T	प्रवासी हिंदी साहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	

An information regarding codes:

DCC: Discipline Centric Core Course, **DSE:** Discipline Specific Elective,
GEC: Generic Elective Course (open Elective for all the discipline.)

M.A. (Two Years Degree Program)	
First Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN8000T**
Title of the Course	**हिंदी साहित्य का इतिहास (प्राचीन एवं मध्यकाल)**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Centric Core (DCC) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. **हिंदी की आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना।** 2. **तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना।** 3. **पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।**
Learning outcomes	1. **भक्तिकालीन कवियों द्वारा रचित कविताओं में भक्ति और दार्शनिक चेतना का विकास हुआ।** 2. **सामाजिक एकता, अखंडता तथा नैतिक मूल्य विकसित हुए।** 3. **भक्ति आंदोलन की अवधारणा, भाषिक शब्दावली और विचारों पर चिंतन, संतवाणी तथा उनके उपदेशों से आध्यात्मिक चेतना और मानसिक विरेचन हुआ।**
Syllabus	
UNIT-I	**हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण।**

	आदिकाल की पृष्ठभूमि, काव्य धाराएँ, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य, लौकिक एवं गद्य साहित्य, आदिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ। (12 Hours)
UNIT -II	भक्तिकाल की पृष्ठभूमि, भक्ति आन्दोलन के उदय के कारण, विभिन्न काव्य धाराएँ और उनका वैशिष्ट्य, निर्गुण-सगुण में साम्य-वैषम्य। भक्ति आंदोलन का महत्त्व, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तः प्रादेशिक वैशिष्ट्य। (12 Hours)
UNIT-III	निर्गुण भक्ति-वैचारिक आधार, प्रमुख संत कवि-कबीर, नानक, दादू, रैदास एवं निर्गुण काव्य की विशेषताएँ। भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी प्रेमाख्यानों का स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ। (12 Hours)
UNIT-IV	सगुण भक्ति-सगुण भक्ति काव्य की विशेषताएँ, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ, राम काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ। कृष्ण काव्य- अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय, प्रमुख कवि- सूरदास, मीरा, रसखान, प्रमुख सम्प्रदाय, प्रवृत्तियाँ। (12 Hours)
UNIT-V	रीतिकाल- पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, प्रवृत्तियाँ, रीति ग्रंथों की परम्परा। रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त कवि और उनका काव्य, रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ, मध्यकालीन काव्य में मुसलमान कवियों का योगदान। (12 Hours)
Text Books	
Reference Books	1. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य: स्वरूप एवं संवेदना, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 2. रामविलास शर्मा : परम्परा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. लक्ष्मीलाल वैरागी : हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास, संघी प्रकाशन, जयपुर।

	4. विश्वनाथ त्रिपाठी : हिंदी साहित्य का इतिहास: सामान्य परिचय, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली। 5. हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 6. हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
Suggested E-resources	**http://sahityabhawanpublications.com** **http://kavitakosh.org** **http://www.hindikavykosh.in**

M.A. (Two Years Degree Program)	
First Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN8001T**
Title of the Course	**भारतीय काव्यशास्त्र**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Centric Core (DCC) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. छात्रों को भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय देना। 2. आलोचना की विविध प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं से परिचित करवाना।
Learning outcomes	1. काव्यशास्त्र के अध्ययन तथा लेखन के प्रति रुझान और संचार कौशल विकसित हुआ। 2. हिंदी एवं संस्कृत साहित्य में काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतों एवं साहित्यिक रूपों के ज्ञान संचार हुआ। 3. आधुनिक युग में प्राचीन भारतीय काव्यशास्त्र की महत्ता और उसके पाठन एवं प्रयोग हेतु प्रेरित हुए।
Syllabus	
UNIT-I	भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा (आचार्य एवं संप्रदाय), काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन (12 Hours)

UNIT -II	रस सिद्धांत : रस- अर्थ, अवयव, स्वरूप, प्रकार आदि, रस-निष्पत्ति, साधारणीकरण (12 Hours)
UNIT-III	रीति सिद्धान्त- परिभाषा, स्वरूप, भेद आदि वक्रोक्ति सिद्धान्त - परिभाषा, स्वरूप, भेद आदि (12 Hours)
UNIT-IV	ध्वनि सिद्धान्त- परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व, भेद आदि (12 Hours)
UNIT-V	अलंकार सिद्धान्त- परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व एवं विभिन्न आचार्यों के मत आदि। औचित्य सिद्धान्त- परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व आदि। (12 Hours)
Text Books	
Reference Books	1. के.के. शर्मा व नवीन नंदवाना : ध्वनि सिद्धांत : एक नया मूल्यांकन, सुभद्रा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली। 2. गणपति चंद्र गुप्त : भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. भगीरथ मिश्र : काव्य शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी। 4. राममूर्ति त्रिपाठी : भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 5. रामचंद्र तिवारी : भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 6. सत्यदेव चौधरी एवं शांति स्वरुप गुप्त : भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन, अशोक प्रकाशन, दिल्ली। 7. नवीन नंदवाना : काव्यांग प्रभा, नेशनल पब्लिकेशन, जयपुर।
Suggested E-resources	http://sahityabhawanpublications.com http://kavitakosh.org http://www.hindikavykosh.in

M.A. (Two Years Degree Program)	
First Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	HIN8002T
Title of the Course	आदिकालीन काव्य
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6
Credit of the course	4
Type of the course	Discipline Centric Core (DCC) Course in Hindi
Delivery type of the Course	Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)
Prerequisites	B.A.
Co-requisites	None
Objectives of the course	1. हिंदी के आदिकाल की काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना। 2. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा कृतियों से परिचय कराना। 3. पाठ्य कृतियों के सन्दर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।
Learning outcomes	1. हिंदी साहित्य इतिहास अध्ययन के माध्यम से चिंतन दृष्टि को विकसित हुई। 2. हिंदी साहित्यकारों एवं साहित्येतिहास के जीवन से प्रेरणा और संवेदनशीलता, रचनात्मकता का विकास हुआ। 3. हिंदी साहित्य के आदिकाल का सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों का कालक्रमिक विवेचन-विश्लेषण एवं ज्ञानवर्धन हुआ।
Syllabus	
UNIT-I	नरपति नाल्ह : बीसलदेव रास (पद संख्या 1 से 40) से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)

UNIT -II	चंदवरदाई : पृथ्वीराज रासो (पद्मावती समय) से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-III	विद्यापति पदावली : चयनित पदों की व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। चयनित पद- प्रार्थना : विदिता देवी विदिता ..... देवीसिंह नरपति। कनक भूधर ..... कामना फलदे। माधव बहुत मिनती ..... एक देह दिनबंधु। हरि जनि बिसरव ..... करु दिअ सुलपानी। भल हर भल हरि ..... नारायण ओ सूलपानी। वंशी माधुरी : नंदक नंदन ..... वंदह नंदकिसोरा। रूप वर्णन : देख-देख राधा-रूप ..... अहोनिसि कोर अगोरि। चाँद-सार लए मुख ..... सिवसिंघ मिथिला भूपे। सुधामुखि को बिहि ..... देवि परमान। वसंत मिलन : माघ मास सिरि पंचमी .....सकल कला मना भाया। विरह : माधव तोंहे जुन ..... अपना हृदय धरु सारा। कालि कहल पियाए .....राए सिवसिंघ नहिं भोर। मधुपुर मोहन गेल रे .....फेरि मिलत मुरारि। सखि हे कतहु न देखि मधाई ..... बालम बिलसि समाजे। अंकुर तपन ताप यदि ..... विद्यापति रहु धाँदे। सरदक ससधर मुखरुचि ..... लखिमा देह रमाने। सखि हे हमर ..... हरि बिना दिन रातिया। सजनि कानुक कहवि ..... फल भुजइत चाई। सजनी, के कह आओब ..... झटित मिलन तुअ पासे। सखि हे बालम जितव विदेस ..... लखिमा देह रमान। (12 Hours)

UNIT-IV	ढोला मारू रा दूहा (मारवणी का संदेश) के पदों की व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-V	आदिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ। (12 Hours)
Text Books	1. नरपति नाल्ह : बीसलदेव रास। 2. चंदवरदाई : पृथ्वीराज रासो (पद्मावती समय), सम्पादक - डॉ. किशोरी लाल गुप्त, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 3. विद्यापति : विद्यापति पदावली, सं शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 4. ढोला मारू रा दूहा (मारवणी का संदेश), सं नरोत्तम स्वामी।
Reference Books	1. नामवर सिंह : पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 2. हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. नामवर सिंह : इतिहास और आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. रामविलास शर्मा : परम्परा और मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 5. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 6. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य का आदिकाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
Suggested E-resources	http://sahityabhawanpublications.com http://kavitakosh.org http://www.hindikavykosh.in

M.A. (Two Years Degree Program)	
First Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN8003T**
Title of the Course	**भक्तिकालीन काव्य**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Centric Core (DCC) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. हिंदी के भक्तिककालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना। 2. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना। 3. पाठ्य कृतियों के सन्दर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।
Learning outcomes	1. भक्ति कालीन कवियों द्वारा रचित कविताओं में भक्ति और दार्शनिक चेतना का विकास हुआ। 2. सामाजिक एकता, अखंडता तथा नैतिक मूल्यों का विकास हुआ। 3. भक्ति आंदोलन की अवधारणा, भाषिक शब्दावली और विचारों पर चिंतन, संतवाणी तथा उनके उपदेशों से आध्यात्मिक चेतना और मानसिक विरेचन हुआ।
Syllabus	
UNIT-I	'कबीर ग्रंथावली' से निर्देशित पाठ्य अंश की व्याख्या एवं कबीर संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न। **(12 Hours)**

UNIT -II	'नागमती वियोग खंड' के पदों की व्याख्या एवं जायसी संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-III	'भ्रमरगीतसार' से चयनित पदों की व्याख्या एवं सूरदास संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-IV	'विनयपत्रिका' से पद संख्या 1 से 25 के पदों से व्याख्या एवं तुलसीदास संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-V	भक्तिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ। (12 Hours)
Text Books	1. कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपादक : श्याम सुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी। इसके सुमिरण और विरह को अंग पढ़ाए जाएँगे। 2. जायसी : जायसी ग्रंथावली,सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ('नागमती वियोगखंड') 3. सूरदास : भ्रमरगीत सार सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, कमल प्रकाशन, नई दिल्ली (चयनित पद - 1,3,7,8,13,19 से 25, 29, 41, 50, 52, 54,62,64,69,71 से 78, 89 से 94, 105से 107, 110,115,121) 4. तुलसीदास : विनयपत्रिका, संपादक हरिचरण शर्मा, श्याम प्रकाशन, जयपुर (पद संख्या 1 से 25)
Reference Books	1. नवीन नंदवाना : संत दादूदयाल : जीवन और साहित्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। 2. बलदेव वंशी : कबीर : एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन, पंचकूला। 3. मैनेजर पाण्डेय : भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. रामचन्द्र शुक्ल : सूरदास, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।

	5. रामचन्द्र शुक्ल : गोस्वामी तुलसीदास, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली। 6. विश्वनाथ त्रिपाठी : लोकवादी तुलसीदास -, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 7. शिव कुमार मिश्र : भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद। 8. हजारी प्रसाद द्विवेदी : कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 9. हजारी प्रसाद द्विवेदी : सूर साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 10. नंदकिशोर पांडेय :संत साहित्य की समझ, रचना प्रकाशन, जयपुर। 11. परशुराम चतुर्वेदी : उत्तरी भारत की संत परम्परा, भारती भंडार, प्रयाग, सं. 2008
Suggested E-resources	http://sahityabhawanpublications.com http://kavitakosh.org http://www.hindikavykosh.in

M.A. (Two Years Degree Program)	
First Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	HIN8004T
Title of the Course	हिंदी कहानी
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6
Credit of the course	4
Type of the course	Discipline Centric Core (DCC) Course in Hindi
Delivery type of the Course	Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)
Prerequisites	B.A.
Co-requisites	None
Objectives of the course	1. गद्य की प्रमुख विधा के तात्विक स्वरुप का परिचय देना। 2. रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।
Learning outcomes	1. हिंदी कहानी के शिल्प विधान की प्रक्रिया की समझ विकसित हुई। 2. कहानी के पठन-पाठन के उपरांत समीक्षात्मक एवं आलोचनात्मक लेखन की ओर प्रवृत हुए। 3. कहानी के माध्यम से सामाजिक यथार्थ, मूल्य का संवर्धन एवं सामाजिक विसंगतियों से अवगत हुए।
Syllabus	
UNIT-I	टोकरी भर मिट्टी (माधवराव सप्रे), उसने का कहा था (चन्द्रधर शर्मा गुलेरी), कफन (प्रेमचंद), छोटा जादूगर (जयशंकर प्रसाद) और हार की जीत (सुदर्शन) कहानियों से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)

UNIT -II	पत्नी (जैनेन्द्र), गदल (रांगेय राघव), परिन्दे (निर्मल वर्मा), परदा (यशपाल) और तीसरी कसम (रेणु) कहानियों से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-III	वापसी (उषा प्रियंवदा), जहां लक्ष्मी कैद है (राजेन्द्र यादव), मलबे का मालिक (मोहन राकेश), मैं हार गयी (मन्नू भंडारी), जिंदगी और जोंक (अमरकांत) से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-IV	बादलों के घेरे (कृष्णा सोबती), गुलकी बन्नो (धर्मवीर भारती), धांसू (गोविन्द मिश्र) पाल गोमरा का स्कूटर (उदय प्रकाश) और ऐसा कोई सररदार भिखारी देखा है (स्वयं प्रकाश) से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-V	कहानी स्वरूप और तत्त्व, हिंदी कहानी का विकास- प्रेमचन्द पूर्व हिंदी कहानी, प्रेमचन्द युगीन हिंदी कहानी प्रेमचन्दोत्तर हिंदी कहानी, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी, नयी कहानी, अकहानी, समांतर कहानी, प्रगतिशील- जनवादी कहानी, समकालीन कहानी। (12 Hours)
Text Books	
Reference Books	1. आनन्द प्रकाश : हिंदी कहानी की विकास प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 2. कमलेश्वर : नयी कहानी की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. गोपाल राय : हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. नामवर सिंह : कहानी : नई कहानी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

	5. मधुरेश : हिंदी कहानी का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 6. लक्ष्मीनारायण लाल : आधुनिक हिंदी कहानी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 7. विभूति नारायण राय : कथा साहित्य के सौ बरस, शिल्पायन, दिल्ली। 8. सुरेन्द्र चौधरी : हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 9. हरदयाल : हिंदी कहानी : परम्परा और प्रगति, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
Suggested E-resources	http://sahityabhawanpublications.com http://kavitakosh.org http://www.hindikavykosh.in

M.A. (Two Years Degree Program)	
First Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	HIN8005T
Title of the Course	भाषा विज्ञान
Qualification Level of the Course	NHEQF Level 6
Credit of the course	4
Type of the course	Discipline Centric Core (DCC) Course in Hindi
Delivery type of the Course	Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)
Prerequisites	B.A.
Co-requisites	None
Objectives of the course	1. भाषा के स्वरुप को जानेंगे, भाषा के उद्भव और विकास से परिचित होंगे।
Learning outcomes	1. भाषा के विकास और उद्भव की परंपरा तथा व्याकरण के ज्ञान से अवगत हुए। 2. हिंदी भाषा में रुचि तथा जनसंचार के विभिन्न माध्यमों से हिंदी भाषा की उपयोगिता को विकसित हुई। 3. विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि विकसित हुई।
Syllabus	
UNIT-I	भाषा-विज्ञान : अर्थ और स्वरूप, क्षेत्र, अन्य विज्ञानों से भाषा विज्ञान का सम्बन्ध, भाषा विज्ञान की उपयोगिता। भाषा का अभिप्राय, प्रकृति और विशेषताएँ, विविध रूप (बोली, विभाषा, भाषा), भाषा विकास के कारण, भाषा परिवर्तन की दिशाएँ। (12 Hours)

UNIT -II	ध्वनि विज्ञान : ध्वनि विज्ञान की परिभाषा एवं वैज्ञानिक आधार, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि नियम, ध्वनिपरिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ। (12 Hours)
UNIT-III	अर्थ विज्ञान का स्वरूप, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थबोध के साधन, अर्थबोध के बाधक तत्त्व,अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ। (12 Hours)
UNIT-IV	रूप विज्ञान : रूप विज्ञान का स्वरुप, शब्द और उनके भेद, पद निर्माण के उपकरण, सम्बन्ध तत्व के भेद सम्बन्ध तत्व एवं अर्थ तत्त्व का सम्बन्ध रूप परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ। (12 Hours)
UNIT-V	लिपि : उद्भव और विकास, भारत की प्राचीन लिपियाँ एवं उनकी विशेषताएँ, देवनागरी लिपि के गुण एवं दोष। (12 Hours)
Text Books	
Reference Books	1. भोलानाथ तिवारी : भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद 2. देवेन्द्रनाथ शर्मा : भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 3. किशोरीदास वाजपेयी : भारतीय भाषा विज्ञान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 4. आशीष सिसोदिया : सरल भाषा विज्ञान, अंकुर प्रकाशन, नई दिल्ली-उदयपुर 5. राजभाषा हिंदी, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली
Suggested E-resources	http://sahityabhawanpublications.com http://kavitakosh.org http://www.hindikavykosh.in

M.A. (Two Years Degree Program)	
Second Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN8006T**
Title of the Course	**हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Centric Core (DCC) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. हिंदी साहित्य के आधुनिक काल से परिचित होंगे। 2. रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित हो सकेगी।
Learning outcomes	1. हिंदी साहित्य के आधुनिक काल का परिचय प्राप्त हुआ। 2. आधुनिक काल में चित्रित सामाजिक, ऐतिहासिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक तथा आधुनिक परिवेश में बदलते जीवन मूल्यों का बोध हुआ।
Syllabus	
UNIT-I	आधुनिकता का अर्थ एवं स्वरूप, 1857 की क्रांति और पुनर्जागरण, नया आर्थिक ढाँचा : नये सम्बन्ध भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

	द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ। (12 Hours)
UNIT -II	छायावाद, प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद, नयी कविता और समकालीन कविता- प्रमुख कवि, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ। (12 Hours)
UNIT-III	हिंदी कथा साहित्य- विकास-यात्रा : प्रेमचन्द पूर्व, प्रेमचन्द युगीन, प्रेमचन्दोत्तर, स्वातंत्र्योत्तर और समकालीन। (12 Hours)
UNIT-IV	हिंदी नाटक - विकास यात्रा : पूर्व प्रसाद युगीन नाटक, प्रसादयुगीन नाटक, प्रसादोत्तर नाटक स्वातंत्र्योत्तर और समकालीन। (12 Hours)
UNIT-V	हिंदी निबन्ध की विकास यात्रा, हिंदी आलोचना की विकास यात्रा। हिंदी गद्य की अन्य विधाएँ- रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज। हिंदी साहित्य के इतिहास में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान। (12 Hours)
Text Books	
Reference Books	1. नगेन्द्र : हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा 2. नामवर सिंह : आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 3. बच्चन सिंह : आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 4. रामचन्द्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी 5. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य: स्वरूप एवं संवेदना, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

	6. विश्वनाथ त्रिपाठी : हिंदी साहित्य का इतिहास : सामान्य परिचय, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली 7. हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
Suggested E-resources	**http://sahityabhawanpublications.com** **http://kavitakosh.org** **http://www.hindikavykosh.in**

M.A. (Two Years Degree Program)	
Second Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN8007T**
Title of the Course	**पाश्चात्य साहित्यशास्त्र**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Centric Core (DCC) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. छात्र को पाश्चात्य काव्यशास्त्र का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 2. आलोचना की विविध प्रणालियों तथा नई अवधाणाओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
Learning outcomes	1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के दार्शनिकों के सिद्धांतों का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त हुआ। 2. भारतीय संदर्भ में पाश्चात्य समीक्षा के महत्व की जानकारी से अवगत हुए। 3. आधुनिक पाश्चात्य समीक्षा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ।
Syllabus	
UNIT-I	प्लेटो - अनुकरण सिद्धान्त, अरस्तु - अनुकरण एवं विरेचन सिद्धान्त लोंजाइनस- उदात्त तत्त्व **(12 Hours)**

UNIT -II	क्रोचे - अभिव्यंजनावाद आई.ए.रिचर्डस - काव्यभाषा सिद्धान्त, मूल्य सिद्धान्त, वर्ड्सवर्थ - काव्य भाषा सिद्धान्त (12 Hours)
UNIT-III	कॉलरिज - कल्पना सिद्धान्त, टी.एस. इलियट - निर्वेयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ सहसम्बंध, परम्परा की अवधारणा मैथ्यू अर्नाल्ड -कविता और जीवन (12 Hours)
UNIT-IV	आधुनिक समीक्षा के प्रमुख रूप -शास्त्रीय, स्वच्छन्दतावादी, प्रगतिवादी, मार्क्सवादी साहित्य चिंतन नयी समीक्षा, मनोवैज्ञानिक, शैली विज्ञान। (12 Hours)
UNIT-V	समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएँ-संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद, विखंडनवाद, आधुनिकतावाद, उत्तरआधुनिकतावाद विडम्बना (आयरनी), अजनबीपन (एलियनेशन), विसंगति (एब्सर्ड), अन्तर्विरोध (पैराडॉक्स), विखण्डन (डीकन्स्ट्रक्शन) (12 Hours)
Text Books	
Reference Books	1. करुणाशंकर उपाध्याय : पाश्चात्य काव्य चिंतन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली। 2. कृष्णदेव शर्मा : पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा। 3. तारकनाथ बाली : पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास, शब्दकार प्रकाशन, नयी दिल्ली। 4. देवेन्द्रनाथ शर्मा : पाश्चात्य काव्य शास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा। 5. निर्मला जैन : पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

	6. भगीरथ मिश्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वाद, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। 7. बच्चन सिंह : हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 8. सत्यदेव मिश्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
Suggested E-resources	http://sahityabhawanpublications.com http://kavitakosh.org http://www.hindikavykosh.in

M.A. (Two Years Degree Program)	
Second Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN8008T**
Title of the Course	**रीतिकालीन हिंदी काव्य**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Centric Core (DCC) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. हिंदी रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना। 2. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना। 3. पाठ्य कृतियों के सन्दर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।
Learning outcomes	1. रीति काव्य के विश्लेषण से विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन हुआ। 2. काव्यग्रंथों एवं काव्यशास्त्र के सिद्धांतों की जानकारी प्राप्त हुई। 3. रचनात्मक, सौंदर्यात्मकता एवं संवेदनशीलता का विकास और नैतिक मूल्यों की प्रतिस्थापना हुई।
Syllabus	
UNIT-I	'बिहारी रत्नाकर' (प्रथम 50 दोहे) से चयनित दोहों की व्याख्या एवं बिहारी संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT -II	'रामचंद्रिका' (परशुराम संवाद) से चयनित अंश की व्याख्या एवं केशव संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न।

	(12 Hours)
UNIT-III	'भूषण ग्रंथावली' से चयनित पदों की व्याख्या एवं भूषण संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-IV	'आनंदघन' (प्रथम 25 पद) से चयनित पदों की व्याख्या एवं घनानन्द संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-V	रीतिकालीन हिंदी कविता : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ। (12 Hours)
Text Books	1. बिहारी : 'बिहारी रत्नाकर' : (प्रथम 50 दोहे ही पढ़ाए जाएंगे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2. केशव : 'रामचंद्रिका' (परशुराम संवाद), नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 3. भूषण ग्रंथावली : सं. विश्वनाथ मिश्र - (पद सं. 408, 411, 412, 413, 420, 421, 424, 427, 428, 429,430, 431, 432, 433, 436, 442, 443, 444, 445, 448), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 4. घनानन्द - 'आनन्दघन' (प्रथम 25 पद पढ़ाए जाएँगे), सं. रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
Reference Books	1. भागीरथ मिश्र : हिंदी रीति साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. बच्चन सिंह : बिहारी का नया मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 3. नगेन्द्र : रीतिकाव्य की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 4. बच्चन सिंह : बिहारी का नया मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली 5. नन्दकिशोर नवल : रीति काव्य, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
Suggested E-resources	http://sahityabhawanpublications.com http://kavitakosh.org http://www.hindikavykosh.in

M.A. (Two Years Degree Program)	
Second Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN8009T**
Title of the Course	**आधुनिक हिंदी काव्य**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Centric Core (DCC) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. आधुनिक काव्य का परिचय प्राप्त करेंगे। 2. विधा विशेष के तात्विक स्वरुप को समझ पाएँगे।
Learning outcomes	1. आधुनिक काव्य के माध्यम से पौराणिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का विकास हुआ। 2. काव्य की नवीन शिल्प का ज्ञान वैचारिक धरातल पर नवीन जीवन मूल्यों की स्थापना हुई।
Syllabus	
UNIT-I	'साकेत के नवम सर्ग' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT -II	'कामायनी' के श्रद्धा सर्ग से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)

UNIT-III	'राम की शक्ति पूजा' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-IV	'असाध्य वीणा' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-V	आधुनिक हिंदी कविता का परिचय एवं प्रवृत्तियाँ : भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, हालावाद, राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा। (12 Hours)
Text Books	1. 'साकेत' नवम् सर्ग : मैथिलीशरण गुप्त, वितरक- के.एल. मलिक एंड संस प्रा. लि. नयी दिल्ली। 2. 'कामायनी' (श्रद्धा सर्ग) : जयशंकर प्रसाद : वितरक- नेशनल पेपर बैक्स, नयी दिल्ली। 3. 'राम की शक्ति पूजा' : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', पुस्तक - 'राग विराग' सं. रामविलास शर्मा, विद्यार्थी संस्करण लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 4. 'असाध्य वीणा' : (संकलन : आँगन के पार द्वार : अज्ञेय), भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन नई दिल्ली।
Reference Books	1. नंदकिशोर नवल : कामायनी परिशीलन, अनुपम प्रकाशन, अशोक राजपथ, पटना। 2. नगेन्द्र : कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। 3. नगेन्द्र : साकेत : एक अध्ययन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। 4. नवीन नंदवाना (सं.) : आधुनिक कविता : धार एवं धरातल, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर। 5. नामवर सिंह : कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 6. बच्चन सिंह : निराला का काव्य, आधार प्रकाशन, पंचकूला। 7. लीलाधर मण्डलोई : कविता के सौ बरस, शिल्पायन, दिल्ली।

Suggested E-resources	**http://sahityabhawanpublications.com** **http://kavitakosh.org** **http://www.hindikavykosh.in**

M.A. (Two Years Degree Program)	
Second Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN8010T**
Title of the Course	**हिंदी उपन्यास**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Centric Core (DCC) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. उपन्यास के तात्विक स्वरूप का परिचय देना। 2. रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।
Learning outcomes	1. उपन्यासों में चित्रित सामाजिक, ऐतिहासिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक तथा आधुनिक परिवेश में बदलते जीवन मूल्यों का बोध हुआ।
Syllabus	
UNIT-I	'गोदान' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT -II	'शेखर एक जीवनी' (भाग-1) से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-III	'मैला आँचल' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)

UNIT-IV	'ज्यों मेहंदी को रंग' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-V	हिंदी उपन्यास - अर्थ, स्वरूप, तत्त्व, प्रेमचन्द पूर्व हिंदी उपन्यास, प्रेमचन्द युगीन हिंदी उपन्यास, प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास, समकालीन उपन्यास। (12 Hours)
Text Books	1. 'गोदान' : प्रेमचन्द, राजपाल एंड सन्स, नयी दिल्ली। 2. 'शेखर एक जीवनी' भाग-1 : अज्ञेय , मयूर पेपर बैक्स, नोएडा। 3. 'मैला आँचल' : फणीश्वर नाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली। 4. 'ज्यों मेहंदी को रंग' : मृदुला सिन्हा : किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।
Reference Books	1. गोपाल राय : हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 2. नगेन्द्र : हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा। 3. मधुरेश : हिंदी उपन्यास का विकास, सुमित प्रकाशन, इलाहबाद। 4. राजेन्द्र यादव : उपन्यास: स्वरूप और संवेदना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 5. रामकमल राय : शेखर एक जीवनी : विविध आयाम, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद। 6. रामविलास शर्मा : प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
Suggested E-resources	http://sahityabhawanpublications.com http://kavitakosh.org http://www.hindikavykosh.in

M.A. (Two Years Degree Program)	
Second Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN8100T**
Title of the Course	**रचनात्मक लेखन**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Generic Elective Course (GEC)** **(It is an open elective for all the discipline.)**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. रचनात्मकता का विकास होगा और सभी मानविकी संकाय के विद्यार्थियों में हिंदी साहित्य के प्रति रुचि विकसित होगी।
Learning outcomes	1. विद्यार्थियों में साहित्य की विधाओं के ज्ञान में वृद्धि हुई। 2. सभी विधाओं के प्रारंभिक ज्ञान से परिचय पाकर पाठन-लेखन में निपुण हुए।
Syllabus	
UNIT-I	साहित्य : साहित्य का तात्पर्य, साहित्य की परिभाषाएँ – संस्कृत आचार्यों, आधुनिक रचनाकारों और पाश्चात्य आचार्यों द्वारा प्रदत्त। (12 Hours)
UNIT -II	विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन : कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक। (12 Hours)

UNIT-III	विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन : कथा साहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श। (12 Hours)
UNIT-IV	विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन : नाट्य साहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म। (12 Hours)
UNIT-V	विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र : पत्रकारिता, मुद्रित-इलेक्ट्रॉनिक, विज्ञापन, विविध पत्र लेखन। (12 Hours)
Text Books	
Reference Books	1. रघुवंश : साहित्य चिंतन : रचनात्मक आयाम 2. रमेश गौतम (संपा.) : रचनात्मक लेखन 3. अन्र्स्ट पिशर (अनु. रमेश उपाध्याय) : कला की जरूरत 4. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव : साहित्य का सौंदर्यचिंतन 5. कुमार विमल : कविता-रचना-प्रक्रिया 6. मलयज : कविता से साक्षात्कार 7. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : कविता क्या है 8. राजेश जोशी : एक कवि की नोटबुक
Suggested E-resources	http://sahityabhawanpublications.com http://kavitakosh.org http://www.hindikavykosh.in

M.A. (Two Years Degree Program)	
Second Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN8101T**
Title of the Course	**प्रयोजनमूलक हिंदी**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6**
Credit of the course	**2**
Type of the course	**Generic Elective Course (GEC)** **(It is an open elective for all the discipline.)**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रूचि विकसित होगी। विद्यार्थी जनसंचार के माध्यमो से परिचित होंगे।
Learning outcomes	1. विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रूचि विकसित हुई। 2. जनसंचार के माध्यमो का परिचय प्राप्त हुआ।
Syllabus	
UNIT-I	हिन्दी भाषा : सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, पारिभाषिक शब्दावली, अनुवाद। (12 Hours)
UNIT -II	जनसंचार माध्यम और हिन्दी : मुद्रित जनसंचार माध्यम- परिचय, हिन्दी पत्रकारिता का विकास, संपादकीय, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, फीचर समीक्षा एवं खेल समीक्षा। (12 Hours)

UNIT-III	जनसंचार माध्यम और हिन्दी : दृश्य और श्रव्य माध्यम, टेलिविजन के लिए लेखन, पटकथा लेखन, रेडियो वार्ता का शिल्प, उद्घोषणाएँ एवं संचालन, आँखों देखा हाल, प्रेस वार्ता। (12 Hours)
UNIT-IV	विज्ञापन का संसार और हिन्दी, रेडियो, टी. वी. एवं मुद्रित माध्यमों के लिए विज्ञापन लेखन। (12 Hours)
UNIT-V	कम्प्यूटर और इंटरनेट : मुद्रण की नयी तकनीक, प्रूफ रीडिंग। हिंदी ई-संसाधन- फॉण्ट, सर्च इंजन, टाइपिंग टूल आदि । (12 Hours)
Text Books	
Reference Books	1. कृष्ण बिहारी मिश्र : हिन्दी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली 2. जवरीमल्ल पारख : जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली 3. मनोहर श्याम जोशी : पटकथा लेखन: एक परिचय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 4. माधव हाडा : सीढियां चढ़ता मीडिया, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा 5. रवीन्द्र श्रीवास्तव : व्यावहारिक हिन्दी, भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 6. विनोद गोदरे : प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 7. शंभुनाथ : आज का मीडिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 8. सुधीश पचौरी : नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
Suggested E-resources	http://sahityabhawanpublications.com http://kavitakosh.org http://www.hindikavykosh.in

M.A. (Two Years Degree Program)	
Third Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9011T**
Title of the Course	**निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Centric Core (DCC) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. विद्यार्थियों में हिंदी निबंध के अर्थ, स्वरूप और प्रकारों के विवेचन की समझ विकसित करना। 2. हिंदी निबंधकारों के निबंधों में व्यक्त समसामयिक समस्याओं और सरोकारों से विद्यार्थियों को जोड़ते हुए सामाजिक एकता, अखंडता तथा नैतिक मूल्यों के विकास में हिंदी निबंधों की भूमिका का ज्ञान कराना। 3. निबंध एवं अन्य गद्य विधाओं की समझ विकसित करना। 4. निबंध साहित्य में वर्णित विषयों से सामाजिक चेतना की समझ विकसित करना। 5. संस्मरण और रेखाचित्र के साम्य-वैषम्य की समझ को विकसित करना। 6. व्यंग्य विधा में आए विभिन्न विषयों के माध्यम से व्यंग्य को जानना-समझना।

Learning outcomes	1. हिंदी निबंधों में वर्णित संवेदना, रचनात्मकता एवं केंद्रीय विचार से परिचित हो सकेंगे। 2. हिंदी निबंधों के अध्ययन से विविध विषयों और समस्याओं पर विवेचन-विश्लेषण की समझ विकसित होगी। 3. निबंध एवं अन्य गद्य विधाओं के विषय में जान सकेंगे। 4. निबंध साहित्य में वर्णित विषयों से समझ विकसित हो सकेगी। 5. किसी विषय पर निबंध के रूप में अपने विचार अभिव्यक्त कर सकेंगे।
Syllabus	
UNIT-I	निबंध : रामचंद्र शुक्ल : भाव या मनोविकार, श्रद्धा-भक्ति हजारीप्रसाद द्विवेदी : अशोक के फूल, देवदारु रामविलास शर्मा : पश्चिम की अस्वीकृति और भारतीय आधुनिकता, तुलसी साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य निबंधों से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT -II	ललित एवं व्यंग्य निबंध : कुबेरनाथ राय : हरी-हरी दूब और लाचार क्रोध विद्यानिवास मिश्र : रेवा से रीवा, राधा माधव हो गई हरिशंकर परसाई : इंटरव्यू मुफतलाल का होना डिप्टी कलेक्टर, भोलाराम का जीव, निबंधों से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-III	संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा-वृत्तांत : महादेवी वर्मा : स्मरण प्रेमचंद, ठकुरी बाबा रामवृक्ष बेनीपुरी : माटी की मूरतें, गेहूं और गुलाब (शीर्षक लेख) अज्ञेय : एक बूँद सहसा उछली (शीर्षक लेख)

	अमृतलाल वेगड़ : सौंदर्य की नदी नर्मदा से 'जबलपुर से छिन गाँव' वाला अंश चयनित रचनाओं से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-IV	आत्मकथा : आत्मकथा : एक कहानी यह भी (मन्नू भंडारी) से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(12 Hours)**
UNIT-V	हिंदी निबंध : अर्थ, प्रकार, शैलियाँ। हिंदी निबंध : उद्भव एवं विकास- शुक्ल पूर्व, शुक्लयुगीन एवं शुक्लोत्तर हिंदी निबंध, ललित निबंध एवं निबंधकार। हिंदी गद्य की अन्य विधाएँ : संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रावृतांत, जीवनी, आत्मकथा, डायरी आदि का परिचयात्मक विवरण। (12 Hours)
Text Books	1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : चिन्तामणि (भाग-1), हिन्दी साहित्य सरोवर, आगरा। 2. महादेवी वर्मा : मेरे प्रिय संस्मरण, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। 3. विद्यानिवास मिश्र : मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। 4. हरिशंकर परसाई : मेरी श्रेष्ठ व्यंग्य रचनाएँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
Reference Books	1. नगेन्द्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा। 2. डॉ. बच्चन सिंह : आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

	3. रामविलास शर्मा : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. रामकृपाल पाण्डेय : चिन्तामणि विमर्श, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 5. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिन्दी गद्य विन्यास और विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 6. रामचन्द्र तिवारी : हिन्दी गद्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Third Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9012T**
Title of the Course	**हिंदी नाटक**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Centric Core (DCC) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. हिंदी नाटक के अध्ययन से विद्यार्थियों में नाटक और रंगमंच विषय को जानने की समझ विकसित करना। 2. जयशंकर प्रसाद के नाटकों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और भारतीय इतिहास के विविध पक्षों का ज्ञान कराना। 3. नाटक की विकास यात्रा पर चिंतन। 4. हिंदी गीति नाट्य के विषय में ज्ञान कराना।
Learning outcomes	1. हिंदी नाटक के अध्ययन के माध्यम से भारतीय प्राचीन इतिहास के प्रति एक विशेष चिंतन दृष्टि विकसित हो सकेगी। 2. हिंदी नाटककारों की रचनाओं से प्रेरणा ग्रहण कर सकेंगे। 3. हिंदी नाटकों के अध्ययन से वर्तमान जीवन की समस्याओं से परिचित हो सकेंगे। 4. हिंदी के गीति नाट्य के विषय में जान सकेंगे।

	5. हिंदी नाटकों के माध्यम से अतीत के पट पर वर्तमान जीवन का आकलन कर सकेंगे।
Syllabus	
UNIT-I	'चन्द्रगुप्त' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT -II	'आधे अधूरे' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-III	'कोमल गांधार' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-IV	'अंधा युग' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-V	नाटक का अर्थ और स्वरूप, भारतीय नाट्य परंपरा, हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास- भारतेन्दु युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर एवं स्वातंत्र्योत्तर युग। पारसी थिएटर, गीति नाट्य, लोक नाट्य, हिंदी नाटक और रंगमच। (12 Hours)
Text Books	1. चन्द्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद, नेशनल पेपर बैक्स, नई दिल्ली। 2. आधे अधूरे : मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. कोमल गांधार : शंकर शेष, पराग प्रकाशन, दिल्ली। 4. धर्मवीर भारती : अंधा युग, किताब महल, नई दिल्ली।

Reference Books	1. गिरीश रस्तोगी : हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 2. गिरीश रस्तोगी बीसवीं सदी में हिन्दी नाटक और रंगमंच, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली। 3. गिरीश रस्तोगी : मोहन राकेश और उनके नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 4. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा : प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 5. नन्दकिशोर नवल : बीसवीं शती : हिन्दी की कालजयी कृतियाँ, रेनबो पब्लिशर्स, नोएडा। 6. नवीन नंदवाना (सं) : समकालीन हिंदी नाटक : समय और संवेदना, अमन प्रकाशन, कानपुर। 7. नीतू परिहार (सं) : हिंदी नाट्य साहित्य और रंगमंच, हिमांशु पब्लिकेशन्स, उदयपुर। 8. बच्चन सिंह : हिन्दी नाटक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Third Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN9102T**
Title of the Course	**कंप्यूटर और हिंदी भाषा**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60 hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. **कंप्यूटर का विकास और हिंदी विषय के अध्ययन से विद्यार्थियों में कंप्यूटर का परिचय और विकास, कंप्यूटर में हिंदी का आरम्भ एवं विकास को जानने की समझ विकसित करना।** 2. **हिंदी के विविध फॉन्ट तथा कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियों और संभावनाओं से परिचित कराना।** 3. **हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी के माध्यम से इंटरनेट पर हिंदी, यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा तथा हिंदी की वेबसाइट्स की जानकारी देना।** 4. **राजभाषा हिंदी के प्रसार में कंप्यूटर की भूमिका एवं हिंदी भाषा शिक्षण और ई-लर्निंग की भूमिका से अवगत कराना।** 5. **कंप्यूटर, हिंदी और सोशल मीडिया की वर्तमान में भूमिका का ज्ञान कराना।**

Learning outcomes	1. कंप्यूटर का विकास और हिंदी विषय के अध्ययन से विद्यार्थियों में कंप्यूटर का परिचय और विकास, कंप्यूटर में हिंदी का आरम्भ एवं विकास को जानने की समझ विकसित हो सकेगी। 2. हिंदी के विविध फॉन्ट से परिचित हो सकेंगे। 3. कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियों और संभावनाओं को जानने की समझ विकसित होगी। 4. इंटरनेट पर हिंदी, यूनिकोड तथा हिंदी की वेबसाइट्स की जानकारी से परिचित हो सकेंगे। 5. राजभाषा हिंदी के प्रसार में कंप्यूटर की भूमिका जान सकेंगे। 6. हिंदी भाषा शिक्षण और ई-लर्निंग की भूमिका के विवेचन-विश्लेषण करने की समझ विकसित होगी। 7. सोशल मीडिया की भूमिका और हिंदी के प्रयोग का कौशल विकसित हो सकेगा।
Syllabus	
UNIT-I	कंप्यूटर का विकास और हिंदी : कंप्यूटर का परिचय और विकास कंप्यूटर में हिंदी का आरम्भ एवं विकास हिंदी के विविध फॉन्ट कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ **(12 Lectures)**
UNIT -II	हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी : इंटरनेट पर हिंदी यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिंदी भाषा हिंदी की वेबसाइट्स **(12 Lectures)**

UNIT-III	**हिंदी भाषा, कंप्यूटर और गवर्नेंस :** **राजभाषा हिंदी के प्रसार में कंप्यूटर की भूमिका** **हिंदी भाषा शिक्षण और ई-लर्निंग** **इंटरनेट** **सरकारी और ग़ैर-सरकारी संस्थाएँ** **(12 Lectures)**
UNIT-IV	**हिंदी भाषा और कंप्यूटर : विविध पक्ष** **इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ** **न्यू मीडिया और हिंदी भाषा** **हिंदी के विभिन्न की-बोर्ड** **(12 Lectures)**
UNIT-V	**कंप्यूटर, हिंदी और : सोशल मीडिया** **व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर , ब्लॉग , इंस्टाग्राम** **(12 Lectures)**
सहायक ग्रंथ **Reference Books**	1. **विजय कुमार मल्होत्रा : कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग** 2. **हरिमोहन : कंप्यूटर और हिंदी** 3. **संतोष गोयल : हिंदी भाषा और कंप्यूटर** 4. **पी.के. शर्मा : कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतीकरण और भाषा-सिद्धांत** 5. **संजय द्विवेदी : सं. मीडिया : भूमंडलीकरण और समाज** 6. **संजय द्विवेदी : सं. सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद**
Suggested E-resources	• **https://hindisamay.com/** • **https://hi.wikipedia.org/** • **https://swayam.gov.in/**

M.A. (Two Years Degree Program)	
Third Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9103T**
Title of the Course	**समकालीन हिंदी कविता**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी समकालीन हिंदी कविता के कवियों और उसकी प्रवृत्तियों का ज्ञान प्रदान करना। 2. समकालीन हिंदी कविता के दौर में पैदा हुई नयी तरह की काव्यभाषा के बारे में जानकारी देना। 3. इन कविताओं के अध्ययन के जरिये विद्यार्थी अपने समय और समाज के विश्लेषण के लिए आवश्यक औजारों का ज्ञान देना। 4. समकालीन हिंदी कविता के माध्यम से 1980 के बाद के सामाजिक और मूल्यगत परिवर्तनों की जानकारी देना।
Learning outcomes	1. समकालीन हिंदी कविता की परंपरा का बोध होगा। 2. अधुनातन कविताओं को समझने की अंतर्दृष्टि मिलेगी। 3. कविता को सामाजिक संदर्भों में पढ़ने में सक्षम होंगे।

	4. समकालीन हिंदी कविता के प्रस्थानबिंदु से आज तक आए परिवर्तन के अंतर को समझ सकेंगे।
Syllabus	
UNIT-I	चंद्रकांत देवताले : जो नहीं होते धरती पर, चीते को जुकाम होने से, माँ पर नहीं लिख सकता कविता। विनोद कुमार शुक्ल : एक विशाल चट्टान के ऊपर, हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था, अपने हिस्से में लोग आकाश देखते हैं। अरुण कमल : कथावाचक, बोलना, नए इलाके में। विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : आरा मशीन, सड़क पर एक लंबा आदमी, सपने कविताओं से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT -II	अशोक वाजपेयी : हम अपना समय लिख नहीं पाएंगे, जब सब जय जयकार कर रहे थे, पृथ्वी का मंगल हो। उदय प्रकाश : नींव की ईंट हो तुम दीदी, वे यहीं कहीं हैं, दुआ। लीलाधर जगूड़ी : मोड़, आऊंगा, जो ठोकर खातें हैं। राजेश जोशी : मैं झुकता हूँ, चाँद की वर्तनी, रुको बच्चों। कविताओं से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-III	मंगलेश डबराल : नुकीली चीजें, रोटी और कविता, पागल औरत। वीरेन डंगवाल : हमारा समाज, उजले दिन जरूर, मकड़ी का जाला। ज्ञानेंद्रपति : मिट गए मैदानों वाले गांव, पॉलिथीन, गणतंत्र दिवस। सदानंद शाही : पेड़, भाषा के नाखून, मैं बनारसी हूँ। (12 Hours)

UNIT-IV	सुनीता जैन : पानी, सचमुच, फागुन। कात्यायनी : शिवकाशी में पटाखे बनाने वाले बच्चों की कविता, आलोचक की कविता, माँ के लिए एक कविता। सविता सिंह : कारतूस, विमला की यात्रा, डर। अनामिका : मौसियाँ, गृहलक्ष्मी, बेजगह। (12 Hours)
UNIT-V	समकालीन का अर्थ, स्वरूप, समकालीन हिंदी कविता : परिस्थितियां- राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, भूमण्डलीकरण और समकालीन हिंदी कविता। समकालीन हिंदी कविता का स्त्री स्वर, दलित चेतना, समकालीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियां। समकालीन हिंदी कविता : काव्य भाषा, शिल्प विधान। (12 Hours)
Text Books	
Reference Books	1. डॉ. एन. मोहनन : समकालीन हिन्दी कविता, राजपाल एंड संज, नई दिल्ली। 2. डॉ. ए. अरविंदाक्षन : समकालीन हिन्दी कविता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. रेखा सेठी : स्त्री-कविता : पक्ष और परिप्रेक्ष्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. परमानंद श्रीवास्तव : समकालीन कविता का यथार्थ, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़। 5. परमानंद श्रीवास्तव : कविता का अर्थात, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 6. रामस्वरूप चतुर्वेदी : समकालीन हिंदी साहित्य विविध परिदृश्य, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 7. गोविंद रजनीश : समकालीन हिंदी कविता की संवेदना, साहित्यागार, जयपुर।

	8. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : समकालीन कविता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 9. रेवतीरमण : समकालीन कविता का परिप्रेक्ष्य, नवनीत प्रकाशन, इलाहाबाद। 10. जगन्नाथ पंडित : समकालीन हिंदी कविता का परिप्रेक्ष्य, नमन प्रकाशन, कानपुर। 11. नीतू परिहार : समकालीन हिंदी कविता का काव्यशास्त्र, संघी प्रकाशन, जयपुर। 12. नीतू परिहार : सं. हिंदी के समकालीन कवि : सर्जना के आयाम, अंकुर प्रकाशन, उदयपुर।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Third Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9104T**
Title of the Course	**विशेष अध्ययन - कबीर**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. **विद्यार्थियों में हिंदी के भक्तिकालीन कवि कबीर के काव्य की प्रवृत्तियों के प्रति समझ विकसित करना।** 2. **कबीर के समय और समाज से अवगत कराना।** 3. **कबीर की भक्ति भावना और दार्शनिक चिंतन से अवगत करना।** 4. **कबीर की काव्य भाषा और शैली के वैशिष्ट्य की जानकारी देना।**
Learning outcomes	1. **भक्तिकालीन संत कवियों में कबीर का स्थान निर्धारित कर सकेंगे** 2. **कबीर के काव्य में वर्णित भक्ति और दार्शनिक चेतना को जान सकेंगे।** 3. **सामाजिक एकता, अखंडता तथा नैतिक मूल्यों के विकास में कबीर के काव्य का आकलन कर सकेंगे।**

Syllabus	
UNIT-I	साखी भाग : गुरुदेव कौ अंग एवं परचा कौ अंग से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT -II	पदावली भाग : निम्नलिखित पदों से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। 1. दुलहनी गावहु मंगलचार.....एक अविनाशी।।1।। 2. बहुत दीनन थें प्रीतम.....मोही दीन्हा।।2।। 3. अब तोहि जान न देहुँ राम.....मति घोषैं।।3।। 4. मन के मोहन बिठुला.....समाधि सोई।।4।। 5. गोकुल नाइक बीठुला.....गति पाई रे।।5।। 6. मन रे मन ही उलटि समाँना.....बिरलै देखी।।8।। 7. एक अचंभा देखा रे भाई.....त्रिभुवन सूझै ।।11।। 8. संतौ भाई आई ग्यान की आँधी रे.....तम षीनों।।16।। 9. पाँडे कौन कुमति तोहि लागी.....ल्यौ लाई।।39।। 10. हम न मरैं मरिहैं संसारा.....सागर पावा।।43।। 11. कौन मरे कौन जनमै आई.....संक उपाई।।44।। 12. निरगुण राँम निरगुण राँम जपहु.....हरि की छाहीं ।।49।। 13. लोका जानि न भूलौ भाई.....साहिब दीठा ।।51।। 14. काहे रे नलनी तूँ कुम्हिलाँनी.....हमरे जाँ न ।।64।। 15. मन रे तन कागद का पुतला.....काहू कै आवै ।।92।। (12 Hours)
UNIT-III	रमैनी भाग : निम्नलिखित रमैनियों से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। सतपदी रमैनी : 1. कहन सुनन को जिहिं जग.....कहन सुवन की आस।। 2. सूक बिरख यहु जगत उपाया.....आपै आप भुलाँन।। 3. जिनि नटवै नटसरी साजी.....जिनि भूलै विस्तार।। 4. करि बिसतार जग धंधै लाय..... तौ फिर पीछे पछिताई।।

	5. तौ करि त्राहि चेति जा अंधा..... न करै प्रतिपाल।। 6. सोई उपाव करि यहु दुःख जाई....मुख शोभित बिन राज।। 7. अब गहि राँम-नाँम.....तब गोपद खुर विस्तार।। बारहपदी रमैनी : 8. पहली मन में सुमिरौ सोई..... कोई न सारिख राँम।। 9. जो त्रिभुवन पति ओहै ऐसा.....जिहि सेवा भल माँन।। 10.जिहि जग की तस की तस केही.....कहिये सिरजनहार।। 11.सिरजनहार नाँउ धूँ तेरा.....धर्या राँम का नाम।। 12.जिनि यह भेरा दिढ़ करि.....जे रहे राम ल्यौ लागि।। 13.अरचित अविगत है निरधारा.....राम रह्या सरबंग।। 14.नहीं सो दूरि नहीं सो नियरा ..... ना सो स्यांम न सेत।। 15.नाँ वो बारा व्याह बराता ..... जाके धूप न छाँव।। 16.ता साहिब कै लागौ साथा ..... सो बरति रह्या संसारि।। 17.नाँ तिस सबद न स्वाद न सोहा..... जहाँ न दूसी आन।। 18.नाँ सो आवै नाँ सो जाई..... राम रह्या भरपूरि।। 19.नाद बिंदु रंक इक खेला ..... सो है रमिता राँम।। (12 Hours)
UNIT-IV	कबीर का व्यक्तित्व और युग, भक्ति आन्दोलन और कबीर, कबीर का समाज चिन्तन, कबीर की भक्ति भावना, कबीर के काव्य में रहस्यवाद, कबीर के काव्य में दार्शनिक चिंतन, उत्तर भारत की संत परंपरा और कबीर, संत काव्यधारा में कबीर का स्थान। (12 Hours)
UNIT-V	कबीर की वाणी, कबीर का बीजक, कबीर की काव्य भाषा, कबीर की उलटबांसी, कबीर की काव्य कला- बिम्ब, प्रतीक, शैली, छंद, अलंकार आदि। (12 Hours)

Text Books	1. श्याम सुंदर दास : सं. कबीर ग्रंथावली, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
Reference Books	1. हजारीप्रसाद द्विवेदी : कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 2. रामकुमार वर्मा : कबीर का रहस्यवाद, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद। 3. बलदेव वंशी : कबीर की चिंता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. महेन्द्र : कबीर की भाषा, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली। 5. योगेन्द्र प्रताप सिंह : कबीर की कविता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 6. रघुवंश : कबीर : एक नई दृष्टि, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 7. राजदेव सिंह : कबीर : आधुनिक संदर्भ में, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 8. पुरुषोत्तम अग्रवाल : अकथ कहानी प्रेम की, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 9. बलदेव वंशी : कबीर-एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन, पंचकूला।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Third Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9105T**
Title of the Course	**विशेष अध्ययन - गोस्वामी तुलसीदास**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. गोस्वामी तुलसीदास के व्यक्तित्व के अध्ययन से छात्रों को धार्मिक और सामाजिक उत्कृष्टता प्रदान करना। 2. गोस्वामी तुलसीदास के जीवन, दर्शन और लेखन से प्रेरणा प्रदान करना। 3. गोस्वामी तुलसीदास की कृतियों में व्यक्त समाज, धर्म, नैतिकता और मानवता का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व समझाना। 4. गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरित मानस के अयोध्याकाण्ड के माध्यम से भगवान राम के आदर्श प्रेम, कर्तव्यपरायणता और धर्मनिष्ठा से छात्रों को अवगत कराना। 5. मानस के अयोध्याकाण्ड के माध्यम से छात्रों को भारतीय समाज की जीवनशैली, संस्कृति और समाज के मूल्यों से अवगत कराना।

	6. विनय पत्रिका, कवितावली और जानकी मंगल काव्य के संकलित अंश के अध्ययन से छात्रों को भारतीय साहित्य के विभिन्न आयामों का अध्ययन कराना । 7. गोस्वामी तुलसीदास की कृतियों के माध्यम से छात्रों को हिंदी साहित्य में रस, भावना और उनका व्यापक साहित्यिक अर्थ समझाना।
Learning outcomes	1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों में साहित्यिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और वे हिंदी साहित्य के विभिन्न आयामों से परिचित होंगे। 2. छात्रों को भारतीय संस्कृति और कला का ज्ञान होगा जिससे वे भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहलुओं के प्रति जागरूक होंगे। 3. गोस्वामी तुलसीदास की लोकतात्विक दृष्टि, पारिवारिक एवं सामाजिक आदर्शों से छात्रों को जीवन की दिशा तय करने में सहायता मिलेगी।
Syllabus	
UNIT-I	रामचरितमानस : अयोध्याकाण्ड : दोहा सं. 12 ('नामु मंथरा मंदमति ...) से दोहा सं. 42 ('सहज सरल रघुबर वचन ...) तक से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT -II	विनयपत्रिका : विनय-खण्ड- पद सं. 65 (राम राम रमु, राम राम रटु) से पद सं. 90 (ऐसी मूढ़ता या मन की) तक से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)

UNIT-III	कवितावली : उत्तरकाण्ड पद सं. 83 (जागिए न सोइए, बिगोइए जनमु जाँय) से पद सं. 110 (रामु मातु, पितु, बंधु, सुजन, गुरु, पूज्य, परमहित) तक से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-IV	जानकी मंगल (सम्पूर्ण) से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-V	गोस्वामी तुलसीदास : व्यक्तित्व और कृतित्व, युग परिदृश्य, रचनाओं की प्रमाणिकता। गोस्वामी तुलसीदास की भक्ति एवं साधना का स्वरूप, लोकमंगल एवं समन्वय की भावना, वैचारिकी एवं सांस्कृतिक महत्त्व। गोस्वामी तुलसीदास की रचनाएँ : भाषा एवं शिल्प, मानस के रूपक तत्व एवं संवादों का मूल्यांकन। गोस्वामी तुलसीदास की लोकतात्विक दृष्टि, पारिवारिक एवं सामाजिक आदर्श। राम काव्य परंपरा और गोस्वामी तुलसीदास। (12 Hours)
Text Books	1. गो. तुलसीदास : रामचरितमानस, अयोध्याकाण्ड, गीताप्रेस, गोरखपुर। 2. गो. तुलसीदास : विनयपत्रिका, सं. वियोगी हरि, साहित्य सेवा सदन, बनारस। 3. गो. तुलसीदास : कवितावली, उत्तरकाण्ड, गीताप्रेस, गोरखपुर। 4. गो. तुलसीदास रचित जानकी मंगल, गीताप्रेस गोरखपुर।
Reference Books	1. रामचंद्र शुक्ल : गोस्वामी तुलसीदास, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली 2. विश्वनाथ त्रिपाठी : लोकवादी तुलसीदास : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

	3. अजय तिवारी : तुलसी : एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन, पंचकूला 4. शिव कुमार मिश्र : भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद 5. कुंवरपाल सिंह : भक्ति आंदोलन : इतिहास और संस्कृति, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 6. गोपेश्वर सिंह : भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार, किताबघर, नई दिल्ली 7. उदयभानु सिंह : तुलसी काव्य मीमांसा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 8. उदयभानु सिंह : तुलसी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 9. सुधाकर पांडेय : रामचरितमानस : साहित्यिक मूल्यांकन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Third Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9106T**
Title of the Course	**विशेष अध्ययन - सूरदास**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. विद्यार्थियों में हिंदी के भक्तिकालीन कवि सूरदास के काव्य की प्रवृत्तियों के प्रति समझ विकसित करना। 2. सूरदास के समय और समाज से अवगत कराना। 3. सूरदास की भक्ति भावना और दार्शनिक चिंतन से अवगत कराना। 4. सूरदास की काव्य-भाषा और शैली के वैशिष्ट्य की जानकारी देना।
Learning outcomes	1. भक्तिकालीन कवियों में सूरदास का स्थान निर्धारित कर सकेंगे। 2. सूरदास के काव्य में वर्णित भक्ति और दार्शनिक चेतना को जान सकेंगे। 3. पुष्टि मार्ग और उसके चिंतन के बारे में जान सकेंगे। 4. सूरदास के काव्य में वर्णित वात्सल्य भावना और गोपी विरह का वर्णन कर सकेंगे।

Syllabus	
UNIT-I	सूरसागर : खंड 1 से चयनित पद (विनय- पद संख्या 77 से 100) से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT -II	सूरसागर : खंड 1 से चयनित पद (घुटूरुनों चलना- पद संख्या 328 से 332, बाल छवि- पद संख्या 333-344, पांवों चलना- पद संख्या 345-356, खेलाना- पद संख्या 357-361, बाल कृष्ण की छवि को देखकर गोपियों का हर्षोल्लास- पद संख्या 362- 365) से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-III	सूरसागर : खंड 2 से चयनित पद (गोपी विरह - पद संख्या 1448 से 1470) से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-IV	सूरदास : जीवनवृत्त, व्यक्तित्व और रचनाएं, वल्लभ संप्रदाय, सूरदास के पदों का वैशिष्ट्य, भक्ति आंदोलन और सूरदास, अष्टछाप के कवियों में सूरदास का स्थान, सूरदास की भक्ति भावना, पुष्टिमत, सूरदास का वात्सल्य वर्णन, सूरदास का विरह वर्णन, सूरदास के काव्य में प्रकृति और वस्तु वर्णन, भ्रमर गीत परंपरा और सूरदास। (12 Hours)
UNIT-V	सूरदास के काव्य में ब्रज संस्कृति और लोक तत्त्व, सूरदास का श्रृंगार वर्णन, सूरदास की सौन्दर्य दृष्टि, भाव और अभिव्यक्ति सौंदर्य, सूर की भाषा, सूर के दृष्टकूट पद, सूरदास के काव्य में भाव व रस निरूपण, सूरदास के काव्य में अलंकार योजना, कृष्ण काव्य-परम्परा और सूरदास, सूरदास और अन्य कृष्ण भक्त कवि। (12 Hours)

Text Books	1. सम्पूर्ण सूरसागर : भाग 1 एवं 2, सं किशोरी लाल गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
Reference Books	1. रामचंद्र शुक्ल : सूरदास (नया संस्करण), नागरी प्रचारिणी सभा काशी। 2. हजारी प्रसाद द्विवेदी : सूर साहित्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली। 3. रामचंद्र तिवारी : मध्ययुगीन काव्य साधना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। 4. आचार्य नंददुलारे वाजपेयी : महाकवि सूरदास, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली। 5. हरबंसलाल शर्मा : सूरदास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 6. मैनेजर पाण्डेय : भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 7. गोपेश्वर सिंह : भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार, किताबघर, नई दिल्ली। 8. नरेश : सूरदास की लालित्य चेतना, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली। 9. रामकृष्ण शर्मा : सूरदास ब्रज लीला भूमि, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Third Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9107T**
Title of the Course	**विशेष अध्ययन - मीरां**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. विद्यार्थियों में भक्तिकालीन कवयित्री मीरांबाई के काव्य की प्रवृत्तियों के प्रति समझ विकसित करना। 2. भक्त कवयित्री मीरांबाई के समय और समाज से अवगत करना। 3. भक्त कवयित्री मीरांबाई की भक्ति भावना और दार्शनिक चिंतन से अवगत करना। 4. भक्त कवयित्री मीरांबाई की काव्य-भाषा और शैली के वैशिष्ट्य की जानकारी देना।
Learning outcomes	1. भक्त कवयित्री मीरांबाई के जीवन और उनकी रचनाओं से परिचित हो सकेंगे। 2. भक्तिकालीन कृष्ण भक्त कवियों में भक्त कवयित्री मीरांबाई का स्थान निर्धारित कर सकेंगे। 3. भक्त कवयित्री मीरांबाई के काव्य में वर्णित भक्ति और दार्शनिक चेतना को जान सकेंगे।

	4. भक्त कवयित्री मीरांबाई के विरह के बारे में जान सकेंगे।
Syllabus	
UNIT-I	मीरां पदावली पद संख्या 1 से 25 से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT -II	मीरां पदावली पद संख्या 26 से 50 से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-III	मीरां पदावली पद संख्या 51 से 75 से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-IV	मीरां पदावली पद संख्या 76 से 101 से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-V	मीरां : जीवनवृत्त, व्यक्तित्व और रचनाएँ, मीरां के पदों का वैशिष्ट्य, भक्ति आंदोलन और मीरां, मीरां की भक्ति भावना, मीरां की प्रेम-भावना, मीरां का विरह वर्णन, मीरां के काव्य में लोक तत्त्व, मीरां की भक्ति और विद्रोह चेतना, मीरां के काव्य में गीति योजना, कृष्ण काव्य-परम्परा और मीरां, मीरां के काव्य में भाव व रस निरूपण, मीरां की काव्य भाषा। (12 Hours)
Text Books	1. मीरां पदावली : शम्भू सिंह मनोहर, पंचशील प्रकाशन, जयपुर, 2023
Reference Books	1. कल्याण सिंह शेखावत : मीरा की प्रामाणिक जीवनी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।

	2. विश्वनाथ त्रिपाठी : मीरां का काव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. राम किशोर शर्मा : मीरां बाई की सम्पूर्ण पदावली, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. सी.एल. प्रभात : मीरा का जीवन और काव्य (दो खंड), राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर। 5. ब्रजभूषण सिंहल : मेरे तो गिरधर गोपाल, भारतीय विद्या निकेतन, बीकानेर। 6. माधव हाड़ा : पचरंग चोला पहर सखी री, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 7. हुकमसिंह भाटी : मीरा : ऐतिहासिक व साहित्यिक विवेचन, रतन प्रकाशन, जोधपुर।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Third Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN9108T**
Title of the Course	**जनसंचार माध्यम और हिंदी**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Generic Elective Course (GEC) in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. जनसंचार माध्यम और हिंदी विषय पर अध्ययन से विद्यार्थियों में जनसंचार माध्यमों के अर्थ, स्वरूप और कार्यों को जानने की समझ विकसित करना। 2. जनसंचार परंपरागत और अधुनातन आयामों को जानने की समझ विकसित करना। 3. लोक जागरण में पत्रकारिता और जनसंचार की भूमिका से अवगत करना। 4. सामाजिक एकता अखंडता तथा नैतिक मूल्यों के विकास में हिंदी पत्रकारिता और जनंसचार माध्यमों की भूमिका का ज्ञान कराना। 5. मीडिया के लिए लेखन के कौशल से परिचित कराना।
Learning outcomes	1. जनसंचार के साधनों के विकास को जानने की दृष्टि विकसित हो सकेगी। 2. हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार के अवदान से प्रेरणा ग्रहण कर सकेंगे।

	3. जनसंचार माध्यमों द्वारा संप्रेषित संवेदना और उनके संप्रेषण कौशल से परिचित हो सकेंगे। 4. हिंदी पत्रकारिता के योगदान से परिचित हो सकेंगे। 5. पत्रकारिता और जनसंचार माध्यमों के विषय में अध्ययन से उनमें सामाजिक और संस्कृतिक संदर्भों को ठीक से विवेचन-विश्लेषण करने की समझ विकसित होगी।
Syllabus	
Unit-I	जनसंचार : अवधारणा, परिभाषा, विशेषताएँ, जनसंचार साधन, जनसंचार प्रक्रिया, प्रकार्य, दुष्प्रकार्य, प्रभाव। **(12 Hours)**
Unit-II	समाज में जनसंचार साधन की भूमिका, जनसंचार साधन और समाजीकरण, जनसंचार साधन और मनोरंजन, जनसंचार साधन और सूचना, जनसंचार साधन और शैक्षणिक भूमिका, जनसंचार साधन और विज्ञापन, विज्ञापन लेखन। **(12 Hours)**
Unit-III	लोक संस्कृति और जनसंचार माध्यम, ग्रामीण समाज में जनसंचार माध्यम (रेडियो, टेलीविजन, समाचार-पत्र, फिल्म) परंपरागत माध्यम - तमाशा, नौटंकी, कीर्तन, लोक संगीत, कठपुतली, लोक नाट्य, प्रदर्शनी, मेले। **(12 Hours)**
Unit-IV	हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास, राजस्थान की हिंदी पत्रकारिता, भारतीय संस्कृति का उन्नयन और हिंदी पत्रकारिता, पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित राष्ट्रीय चेतना के स्वर। **(12 Hours)**
Unit-V	न्यू मीडिया, जनसंचार और हिंदी, मीडिया के लिए हिंदी लेखन समस्या और समाधान, मानक हिंदी का प्रयोग, कंटेंट राइटिंग, ब्लॉग लेखन, सोशल मीडिया- ट्विटर, फेसबुक, वाट्सअप, इंस्टाग्राम एवं अन्य, वेब-सीरीज़ की हिंदी। **(12 Hours)**

सहायक ग्रंथ **Reference Books**	1. डॉ. संजीव भानावत : पत्रकारिता और जनसंचार साहित्य संदर्भिका, पुलित्जर संचार-अध्ययन एवं शोध संस्थान, जयपुर। 2. विजेंद्र सिंघल : जनसंचार के माध्यम, ओम पब्लिशिंग कंपनी, दिल्ली। 3. एन.सी. पंत : हिंदी पत्रकारिता का विकास, राधा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली। 4. डॉ. राम अवतार शर्मा : हिंदी पत्रकारिता और साहित्य, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली। 5. राधेश्याम शर्मा : जनसंचार, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला। 6. गंगा प्रसाद ठाकुर और शिव अनुराग पटेरिया : भारत में प्रेस क़ानून, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल। 7. नंदकिशोर त्रिखा : समाचार संकलन और लेखन, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ। 8. कृष्ण बिहारी मिश्र : हिंदी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली। 9. जे. नटराजन: भारतीय पत्रकारिता का इतिहास, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार। 10. पं. अंबिकाप्रसाद वाजपेयी: समाचारपत्र-कला, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ। 11. डॉ. अर्जुन तिवारी: संपूर्ण पत्रकारिता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
Suggested E-resources	• https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://hindisamay.com/ • https://hi.wikipedia.org/ • https://swayam.gov.in/

M.A. (Two Years Degree Program)	
Third Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9109T**
Title of the Course	**रंगमंच : विविध आयाम**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Generic Elective Course (GEC) in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. रंगमंच का इतिहास और उत्थान के अध्ययन से छात्रों को नाट्यकला से जोड़ना संलग्न करना। 2. विद्यार्थियों को हिंदी रंगमंच का सामान्य परिचय कराना। 3. रंगमंचीय अभिनय के मौलिक सिद्धांतों के अध्ययन से छात्रों को अभिनय कौशल को समझने और अपनाने में मदद करना। 4. रंगमंच के निर्देशन और प्रयोग के अध्ययन से छात्रों में नाटक के प्रस्तुतीकरण कौशल को विकसित करना। 5. रंगमंच की प्रस्तुति प्रक्रिया द्वारा छात्रों को रंगमंच से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी देना जिसके माध्यम से वे विषय संबंधी कौशल प्राप्त कर सकेंगे।
Learning outcomes	1. नाट्य प्रस्तुति की प्रक्रिया से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा। 2. रंगमंच की सामान्य जानकारी मिलने से इस क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए रोजगार की संभावनाएँ बनेंगी।

	3. रंगमंचीय गतिविधियों से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास हो सकेगा। 4. विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा।
Syllabus	
UNIT-I	रंगमंच का इतिहास और विकास : • भारतीय नाट्यकला का विकास (संक्षिप्त परिचय) • हिंदी का पारंपरिक रंगमंच (संक्षिप्त परिचय) • आधुनिक नाट्यकला के प्रमुख पहलुओं का अध्ययन • हिंदी के प्रसिद्ध रंगकर्मी : पद्मश्री बंसी कौल, हबीब तनवीर, गिरीश कर्नाड, श्री राम लागू, हेमंत वैष्णव, राजेश कुमार तथा अन्य रंगकर्मियों का संक्षिप्त परिचय (12 Hours)
UNIT -II	रंगमंच की संरचना और रचना : • अर्थ, स्वरूप, परिभाषा, तत्त्व, रूप। • कहानी और अभिनय का महत्त्व • नाटक के प्रमुख घटक : कथा, पात्र, स्थल, काल, रंगमंच निर्माण। (12 Hours)
UNIT-III	रंगमंचीय अभिनय : • अभिनय के मौलिक सिद्धांत • अभिनय के तत्त्व • विभिन्न अभिनय प्रकार : मुख्य, उप-मुख्य, शारीरिक, भावात्मक, भाषात्मक। • अभिनय की प्रभावी तकनीक : ध्वनि, शरीर, भाषा, विचार (12 Hours)
UNIT-IV	रंगमंच का निर्देशन और प्रयोग : • निर्देशन में संगीत, गीत, नृत्य का उपयोग • मंच प्रबंधन : मंच डिजाइन, रंग सामग्री, दृश्य विधान, प्रचार-प्रसार, ब्रोशर-निर्माण।

	• आशु-अभिनय, थिएटर-गेम्स, संवाद-वाचन, शारीरिक अभ्यास, सीन वर्क। (12 Hours)
UNIT-V	रंगमंच प्रस्तुति प्रक्रिया : • आलेख (स्क्रिप्ट) का चयन, अभिनेताओं या पात्रों का चयन, दृश्य परिकल्पना (ध्वनि-संगीत, नृत्य-प्रकाश), पूर्वाभ्यास • प्रस्तुति प्रक्रिया के विभिन्न घटक। • इन्हीं आधारों पर किसी एक नाटक की प्रस्तुति। (12 Hours)
Text Books	
Reference Books	1. देवेन्द्र राज अंकुर : रंगमंच की कहानी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली। 2. डॉ. करण सिंह ऊटवाल : कहानी का रंगमंच और नाट्य रुपान्तरण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली। 3. डॉ. पंडित बन्ने : समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच, अभिषेक पब्लिकेशन, दिल्ली। 4. डॉ. देशराज : रंगमंच एवं नाट्यकला : एक समग्र अध्ययन, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी। 5. कल्पना मिश्रा : नाटक, लोकनाटक और रंगमंच, इंक पब्लिकेशन, प्रयागराज। 6. डॉ. रमा : हिंदी रंगमंच, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली। 7. दशरथ ओझा : हिंदी नाटक : उद्भव और विकास, राजपाल एंड संज, नई दिल्ली।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Fourth Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9013T**
Title of the Course	**हिंदी आलोचना**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Centric Core (DCC) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. हिंदी आलोचना के विकास का सैद्धान्तिक ज्ञान कराना। 2. विविध आलोचकों के आलोचना कर्म से परिचित कराना। 3. विविध आलोचकों के आलोचना कर्म के माध्यम से विद्यार्थी में रचना के आलोचना करने की समझ विकसित करना। 4. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में आलोचना परंपरा का बोध विकसित करना। 5. आधुनिक हिंदी रचना को समझने की विभिन्न पृष्ठभूमियों से परिचित कराना। 6. विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करते हुए रचना को परखने के औज़ारों पर विचार-विमर्श करने के साथ ही हिंदी में रचना को समझने के ऐतिहासिक क्रम विकास से भी परिचित कराना।

Learning outcomes	1. हिंदी आलोचना के विकास का सैद्धान्तिक ज्ञान से परिचित होंगे। 2. विविध आलोचकों के आलोचना कर्म से परिचित हो सकेंगे। 3. विविध आलोचकों के आलोचना कर्म के माध्यम से विद्यार्थी में रचनाकी की आलोचना करने की समझ विकसित होगी। 4. आधुनिक हिंदी रचना को समझने की विभिन्न पृष्ठभूमियों से परिचित हो सकेंगे। 5. विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करते हुए रचना को परखने के औज़ारों पर विचार-विमर्श करने के साथ ही हिंदी में रचना को समझने के ऐतिहासिक क्रम विकास से भी परिचित होंगे।
Syllabus	
UNIT-I	महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचंद्र शुक्ल, नंददुलारे वाजपेयी एवं हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि और अवदान। (12 Hours)
UNIT -II	रामविलास शर्मा, शिवदान सिंह चौहान, परशुराम चतुर्वेदी, शिवकुमार मिश्र और नामवरसिंह की आलोचना दृष्टि और अवदान। (12 Hours)
UNIT-III	नगेन्द्र, अज्ञेय, देवराज, धर्मवीर भारती, इन्द्रनाथ मदान और विजयदेव नारायण साही की आलोचना दृष्टि और अवदान। (12 Hours)
UNIT-IV	बच्चन सिंह, निर्मला जैन, विश्वनाथ त्रिपाठी, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, और नेमीचंद जैन की आलोचना दृष्टि और अवदान। (12 Hours)
UNIT-V	आलोचना का अर्थ, परिभाषा और विविध प्रकार, हिन्दी आलोचना का उद्भव एवं विकास। (12 Hours)
Text Books	

Reference Books	1. काशीनाथ सिंह : आलोचना भी रचना है, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली 2. नामवर सिंह (सं.) : रामचंद्र शुक्ल संचयन, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली 3. नामवर सिंह : इतिहास और आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली 4. नामवर सिंह : दूसरी परंपरा की खोज, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली 5. निर्मला जैन : हिंदी आलोचना का दूसरा पाठ, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली 6. मोहनकृष्ण बोहरा : हिन्दी आलोचना के पूर्व आयाम, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर 7. रामविलास शर्मा : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली 8. रामस्वरूप चतुर्वेदी (सं.) : कवि-दृष्टि - अज्ञेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 9. विश्वनाथ त्रिपाठी : हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली 10. डॉ. दिलीप मेहरा (सं.) : डॉ. शिव कुमार मिश्र की आलोचना दृष्टि, उत्कर्ष पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स, कानपुर
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Fourth Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9110T**
Title of the Course	**तुलनात्मक भारतीय साहित्य**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. समृद्ध भारतीय साहित्य की विभिन्न भाषाओँ, क्षेत्रों और कालों के बीच तुलना करने के माध्यम से विद्यार्थियों को साहित्यिक संदर्भ में एक गहरी समझ प्रदान करना। 2. तुलनात्मक भारतीय साहित्य के अध्ययन के माध्यम से, विद्यार्थी को तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, उद्भव और विकास साथ ही तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद की भूमिका और भारतीय साहित्य में उसकी प्रासंगिकता को विस्तार से समझाना। 3. भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक पहचान को प्रकट करना। 4. विभिन्न साहित्यिक शैलियों, परम्पराओं और मूल्यों की तुलना के माध्यम से छात्रों को साहित्य में निहित विशेषताओं का पता लगाना।

Learning outcomes	1. विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य के विभिन्न पहलुओं, सामाजिक संदेशों और सांस्कृतिक मूल्यों को समझने में मदद मिलेगी। 2. तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से, विद्यार्थी भारतीय साहित्य के विभिन्न रूपों और शैलियों की समृद्धता को समझ सकेंगे। 3. विद्यार्थी साहित्य के माध्यम से भारतीय समाज की अन्यान्य समस्याओं और मूल्यों का विश्लेषण कर सकेंगे जिससे उनकी साहित्यिक समझ और दृष्टिकोण विकसित होगा।
Syllabus	
UNIT-I	अनुनय (गुजराती कविता संग्रह) : जयंत पाठक से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT -II	राजस्थानी कहानियां : चौधराइन की चतुराई (विजयदान देथा), राजपूताणी (रानी लक्ष्मी कुमारी चूंडावत), तानो (यादवेंद्र शर्मा चंद्र), सुकडीजता आगणा (सांवर दईया), दूध गिलोड़ो (नानूराम संस्कर्ता), हिये तणो उपाय (सूर्यशंकर पारीक) और जाज डूबी (मुरलीधर व्यास) कहानियों से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-III	द्रौपदी (उड़िया उपन्यास) : प्रतिभा रॉय से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-IV	नागमंडल (कन्नड़ नाटक) : गिरीश कर्नाड से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-V	तुलनात्मक साहित्य : परिभाषा, स्वरूप एवं अवधारणा, उद्भव एवं विकास, इतिहास एवं महत्त्व। भारतीय साहित्य की अवधारणा, व्यापकता, तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद की भूमिका। तुलनात्मक भारतीय साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता। (12 Hours)

Text Books	1. जयंत पाठक : अनुनय (गुजराती कविता संग्रह), साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली। 2. प्रतिभा रॉय : द्रौपदी (उड़िया उपन्यास), राजपाल प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. विजयदान देथा : 'दुविधा' (राजस्थानी कहानी संग्रह), सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. गिरीश कर्नाड : 'नागमंडल' (कन्नड़ नाटक), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
Reference Books	1. इंद्रनाथ चौधुरी : तुलनात्मक साहित्य की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली। 2. इंद्रनाथ चौधुरी : तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली। 3. रामविलास शर्मा : भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. सियाराम तिवारी : भारतीय साहित्य की पहचान, नालंदा खुला विश्वविद्यालय, पटना। 5. राजमल बोरा : तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 6. आर.एस. मुगाली : कन्नड़ साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Fourth Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9111T**
Title of the Course	**हिंदी साहित्य और सिनेमा**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. हिंदी सिनेमा के उद्भव और विकास से परिचित कराना। 2. हिंदी सिनेमा के विकास में हिंदी के साहित्यकारों का योगदान का ज्ञान कराना। 3. सिनेमा की परिभाषा, हिंदी फीचर फिल्म के प्रकार, सिनेमा के सिद्धांत आदि से छात्रों को अवगत कराना। 4. फिल्म निर्माण की प्रक्रिया प्री प्रोडक्शन से लेकर फिल्मांकन और पोस्ट प्रोडक्शन तक का संक्षिप्त परिचय छात्रों को देना। 5. सिनेमा की तकनीक से छात्रों को अवगत कराना। 6. फिल्म समीक्षा के विविध आयामों को बताना। 7. साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों और धारावाहिकों के समीक्षात्मक अध्ययन की क्षमता विकसित करना। 8. कथा एवं पटकथा के विविध आयामों से परिचित कराना।

Learning outcomes	1. हिंदी सिनेमा के उद्भव और विकास को वर्णित कर सकेंगे। 2. हिंदी सिनेमा के विकास में हिंदी के साहित्यकारों का योगदान का रेखांकन कर सकेंगे। 3. विद्यार्थी फिल्म के प्रकार, फिल्म के सिद्धांत को समझेंगे। 4. विद्यार्थी फिल्म निर्माण की क्षमता विकसित करेंगे जो उनके कौशल अभिवृद्धि एवं रोजगार के नए विकल्प बनाएँगे। 5. साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों तथा फिल्म विधा के अनेक प्रकारों के समीक्षात्मक अध्ययन की क्षमता विकसित होगी। 6. कथा एवं पटकथा के स्वरूप तथा लेखन-कला का ज्ञान होगा।
Syllabus	
UNIT-I	हिंदी सिनेमा और साहित्य का अंतर्संबंध : हिंदी सिनेमा का उद्भव और विकास, हिंदी सिनेमा के विविध आयाम, सिनेमा और साहित्य में अन्तर तथा पारस्परिक सम्बन्ध, हिंदी सिनेमा के विकास में हिंदी के साहित्यकारों का योगदान, हिंदी सिनेमा और साहित्य के अंतःसंबंधों की परम्परा, हिंदी की लोकप्रियता में हिंदी सिनेमा का योगदान। (12 Hours)
UNIT -II	सिनेमा : स्वरूप विवेचन तथा अन्य माध्यम : सिनेमा की परिभाषा, फीचर फिल्म, फीचर फिल्म के प्रकार, हिंदी फीचर फिल्म के प्रकार- डॉक्यूमेंट्री फिल्म, टेलीफिल्म, एनिमेशन और कार्टून फिल्म, विज्ञापन फिल्म, नाटकीय फिल्म, कॉमेडी फिल्म, कलात्मक फिल्म, क्राइम और थ्रिलर फिल्म, विज्ञान और विलक्षण (sci-fi) फिल्म, हॉरर फिल्म आदि। सिनेमा के सिद्धांत- कला और तकनीक का सिद्धांत, आदर्शवादी फिल्म सिद्धांत, अभिनय- साहित्यिक फिल्म सिद्धांत, नाट्यशास्त्र फिल्म सिद्धांत, वास्तविक फिल्म सिद्धांत, औपचारिक फिल्म सिद्धांत, नारीवादी फिल्म

	सिद्धांत, उपकरण फिल्म सिद्धांत, मार्क्सवादी फिल्म सिद्धांत, पोस्ट कोलोनियल फिल्म सिद्धांत, मनोविश्लेष्णात्मक फिल्म सिद्धांत, क्युबिज्म फिल्म सिद्धांत, पॉप कल्चरल फिल्म सिद्धांत आदि। (12 Hours)
UNIT-III	फिल्म निर्माण की प्रक्रिया : प्री प्रोडक्शन से लेकर फिल्मांकन और पोस्ट प्रोडक्शन तक (संक्षिप्त परिचय) : प्री प्रोडक्शन - पटकथा (स्क्रिप्ट) लेखन, संवाद लेखन, स्क्रिप्ट ब्रेकिंग और सीन सीक्वेंसिंग, पासिंग्स तथा लोकल कास्टिंग, लोकेशन स्काउटिंग, कास्टिंग, स्टूडियो सेट डिजाइन, बजट बनाना, समय सारिणी (शेड्यूल) आदि। फिल्मांकन और निर्माण - सिनेमेटोग्राफी, कैमरा और उपकरण, निर्देशन, अभिनय, गीत, संगीत, निरंतरता, ध्वनि रिकॉर्डिंग आदि। संपादन और पोस्ट प्रोडक्शन - संपादन प्रक्रिया, दृश्य प्रभाव, ध्वनि डिजाइन, रंग ग्रेडिंग, शीर्षक डिजाइन वितरण एवं प्रदर्शन- फिल्म समारोह, बाजार, विपणन, वित्तीय प्रबंधन, प्रचार, होम वीडियो और स्ट्रीमिंग आदि। (12 Hours)
UNIT-IV	सिनेमा की तकनीक : पटकथा एवं संवाद (डायलाग) : अर्थ एवं आयाम, कथा एवं पटकथा का स्वरूप तथा लेखन-कला, कथा के पटकथा में रूपान्तरण की कला, पटकथा एवं संवाद-लेखन, साहित्य एवं सिनेमा की भाषा में अन्तर। अभिनय : अभिनय की कला कैमरा की तकनीक : विभिन्न प्रकार के कैमरा, लैंस, एंगल, चाल और विभिन्न दृश्यों का निर्माण।

	प्रकाश और ध्वनि : लाईटिंग, ध्वनि निर्माण और ध्वनि संग्रहण की तकनीक। संगीत : वायस-ओवर, संगीत संग्रहण, संगीत निर्देशन और ध्वनि संपादन। गीत : हिंदी फिल्मों के गीत : फिल्मी गीतों एवं साहित्यिक गीतों में अन्तर, हिंदी के साहित्यिक गीतों का हिंदी फिल्मों पर प्रभाव, हिंदी लोकगीतों का फिल्मी गीतों पर तथा फिल्मी गीतों का हिंदी लोकगीतों पर प्रभाव, हिंदी फिल्मी गीतों की लोकप्रियता, फिल्मी गीतों के रचयिता प्रमुख कवि। (12 Hours)
UNIT-V	सिनेमा की समीक्षा : सिनेमा समीक्षा : परिचय, आवश्यकता और महत्त्व ; फिल्म समीक्षा : पटकथा, पात्र और संवाद ; तकनीकी मूल्यांकन : निर्देशन, कैमरा एवं चित्रण ; सामाजिक मूल्यांकन : सामाजिक संदेश, राजनीतिक प्रकृति और सामाजिक परिवर्तन। गीत-संगीत की समीक्षा : नदिया के पार, तीसरी कसम, चित्रलेखा, देवदास, पिंजर, शतरंज के खिलाड़ी, रजनीगन्धा, सूरज का सातवाँ घोड़ा, पति पत्नी और वो, सारा आकाश, गुनाहों का देवता, स्वामी, तमस, हीना, वीरजारा, पहेली। फिल्म समीक्षा : व्यावसायिक फिल्में : मुगले-आजम, गाइड, शोले, मैंने प्यार किया, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे आदि ; कला फिल्म : मिर्च-मसाला, रेनकोट, रुदाली, अर्ध-सत्य, सारांश, चमेली, डोर। नारीवादी फिल्में : मदर इंडिया, मिर्च-मसाला, लज्जा, मोम, इंग्लिश-विंग्लिश, गुलाब गैंग, मर्दानी, क्वीन, पिंक, ताली। सामाजिक फिल्में :

	प्रेम रोग, रंग दे बसंती, स्वदेश, न्यूटन, पैड मैन, टॉयलेट एक प्रेम कथा, बधाई हो। विज्ञान आधारित फिल्में : मि. इंडिया, लव स्टोरी 2050, रुद्राक्ष, क्रिश, क्रिश-2 एवं क्रिश-3, कोई मिल गया, 2.0, रा-वन। कॉमेडी फिल्में : अंगूर, गोलमाल, जाने भी दो यारों, अंदाज अपना-अपना, वेलकम, धमाल, ऑल द बेस्ट, गोलमाल : फन अनलिमिटेड। होरर फिल्में : भूत, भूल-भुलैया, वास्तुशास्त्र, 1920 : ईविल रिटर्न, मंत्र-2, शापित, 13 बी। क्राइम-थ्रीलर फिल्में : दृश्यम, कहानी, बदला, इत्तिफाक, टेबल नं. 21, अंधाधुन। ऐतिहासिक भारतीय फिल्में : मुगले-ए-आजम, द लेजेंड ऑफ भगत सिंह, बाजीराव मस्तानी, मणिकर्णिका : झांसी की रानी, तानाजी : द अनसंग वॉरियर, मंगल पांडे: द राइजिंग, गांधी, स्वातंत्र्य वीर सावरकर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस : द फोरगोटन हीरो, सरदार, पानीपत। हिंदी रचनाओं पर आधारित फिल्में : गोदान, गबन, तीसरी कसम, शतरंज के खिलाड़ी, नदिया के पार, रजनीगंधा, चित्रलेखा, तमस, समय की धारा, पति पत्नी और वो। (12 Hours)
Text Books	
Reference Books	1. अनुपम ओझा : भारतीय सिने सिद्धांत, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 2. पुनीत बिसारिया एवं राजनारायण शुक्ल : सं. भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिशर्स, नई दिल्ली।

	3. प्रियदर्शन : नए दौर का सिनेमा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. डॉ. अनिरुद्ध कुमार सुधांशु : हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली। 5. डॉ. इसपाक अली एवं डॉ. जिंसी मैथ्यू : हिंदी साहित्य, सिनेमा और फिल्मांकन, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद। 6. मनोहर श्याम जोशी : पटकथा लेखन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 7. डॉ. रमा : हिंदी सिनेमा में साहित्यिक विमर्श, हंस प्रकाशन, दिल्ली। 8. डॉ. चंद्रकांत मिसाल : सामाजिक मुल्यानिर्धारण में सिनेमा का योगदान, जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद। 9. डॉ. रतन कुमार पाण्डेय : सिनेमा और साहित्य, अनंग प्रकाशन, दिल्ली। 10. डॉ. नीता त्रिवेदी : हिंदी साहित्य, सिनेमा तथा अन्य माध्यम, शुभम पब्लिकेशन, कानपुर। 11. डॉ. नीता त्रिवेदी : सिनेमा तथा वेब दुनिया, शुभम पब्लिकेशन, कानपुर।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Fourth Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9112T**
Title of the Course	**राजस्थान का हिंदी साहित्य**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. राजस्थान के हिंदी रचनाकारों के व्यक्तित्व और कृतित्व से परिचित कराना। 2. राजस्थान के हिंदी रचनाकारों के द्वारा रचित कविता की प्रवृत्तियों की जानकारी देना। 3. राजस्थान के हिंदी प्रमुख रचनाकारों तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना। 4. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में रचना के मूल्यांकन की क्षमता बढ़ाना। 5. राजस्थान के रचनाकारों द्वारा रचित कथा और कथेतर रचनाओं के वैशिष्ट्य से परिचित कराना।
Learning outcomes	1. राजस्थान की हिंदी कविता की विविध प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा 2. राजस्थान के हिंदी साहित्य के की विविध विधाओं की रचनाओं के अध्ययन से सामाजिक एकता, अखंडता तथा नैतिक मूल्य विकसित होंगे।

	3. राजस्थान के हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की विविध रचनाओं और प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे। 4. राजस्थान के हिंदी साहित्य में चित्रित रचनाओं में वर्णित सामाजिक, ऐतिहासिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक तथा आधुनिक परिवेश में बदलते जीवन मूल्यों का बोध होगा।
Syllabus	
UNIT-I	कविता : ऋतुराज : पानी गिरने की आवाज, दुख जो कविता नहीं हो सकता, कन्यादान, लौटना, रास्ता। नंदकिशोर आचार्य : बांसुरी : मोर पांख, वह एक समुद्र था, पिता के न रहने पर, हुई तो बारिश, एक कविता लिखूं। दयाकृष्ण विजय : रात का सपना कहाँ साकार होता है, नकारो मत कभी अस्तित्व छोटा भी इकाई का, हट पुरातन लीक से जो नव्या तक जाते, जहाँ पर अंत होता है किसी अभिप्राय का। नंद चतुर्वेदी : यह समय मामूली नहीं, पुराना घर, सब हमारे पक्ष में है, अपना घर पूछते, दुनिया ही देती है सब कुछ। हेमंत शेष : जैसलमेर, कोयला नहीं कहूँगा मैं, वृक्ष, सागर कथा, देहावसान। विनोद पदरज : मुंबई, मुकुट, सौ पेड़ों के नाम, गडरिये, एक आँख कौंधती है, से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT -II	कहानी : यादवेंद्र शर्मा चंद्र : जनक की पीड़ा, विजयदान देथा : दूजौ कबीर, मनीषा कुलश्रेष्ठ : कठपुतलियाँ, हबीब कैफी : ढाणी में प्रकाश, माधव नागदा : परिणति, हसन जमाल : इधर मत बहो हवा कहानियों से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)

UNIT-III	उपन्यास : रांगेय राघव : 'धरती मेरा घर' उपन्यास से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-IV	नाटक : राजेंद्र मोहन भटनागर : 'रक्त ध्वज' नाटक से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-V	निबंध एवं अन्य विधाएं : प्रकाश आतुर : साहित्य और जीवन, कृष्ण कुमार शर्मा : काव्य भाषा, ओम थानवी : अतीत में दबे पाँव (मुअनजोदड़ो), सत्यनारायण : चौराहे पर एक आदमी (फटी जेब से एक दिन) राजेश व्यास : बनास किनारे बीसलदेव (आँख भर उमंग), संकलित रचनाओं से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
Text Books	1. रांगेय राघव : धरती मेरा घर उपन्यास, राजपाल एंड संज, नई दिल्ली। 2. राजेंद्र मोहन भटनागर : रक्त ध्वज, अरु पब्लिकेशन, दिल्ली। 3. सत्यनारायण : फटी जेब से एक दिन, रचना प्रकाशन, जयपुर। 4. ओम थानवी : मुअनजोदड़ो, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
Reference Books	1. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर। 2. प्रकाश आतुर : राजस्थान का आधुनिक हिन्दी साहित्य, संघी प्रकाशन , उदयपुर। 3. माधव हाड़ा और अन्य : राजस्थान का हिन्दी साहित्य, राजस्थान साहित्य अकादेमी, उदयपुर।

	4. नवल किशोर : राजस्थान का हिन्दी कथा साहित्य, राजस्थान साहित्य अकादेमी, उदयपुर। 5. डॉ. आशीष सिसोदिया : दक्षिण राजस्थान का हिंदी साहित्य, हिमांशु पब्लिकेशंस, उदयपुर। 6. राजस्थान साहित्यकार परिचय कोश, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर। 7. राजस्थान के रचनाकारों पर मोनोग्राफ, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Fourth Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9113T**
Title of the Course	**लोक साहित्य**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. लोक साहित्य का सैद्धान्तिक ज्ञान कराना। 2. हिन्दी प्रदेशों (राजस्थान, ब्रज, अवध) के लोक साहित्य की विशेषताओं की जानकारी देना। 3. राजस्थान की विभिन्न बोलियों का परिचय, क्षेत्र एवं विशेषताओं कि जानकारी देना। 4. राजस्थान के प्रमुख लोक देवी-देवताओं का परिचय और अवदान का रेखांकन।
Learning outcomes	1. लोक साहित्य का सैद्धान्तिक ज्ञान हो सकेगा। 2. हिन्दी प्रदेशों (राजस्थान, ब्रज, अवध) के लोक साहित्य कि विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे। 3. राजस्थान की विभिन्न बोलियों का परिचय, क्षेत्र एवं विशेषताओं की जानकारी होगी। 4. राजस्थान के प्रमुख लोक देवी-देवताओं का परिचय जान सकेंगे और उनके अवदान का रेखांकन कर सकेंगे।

Syllabus	
UNIT-I	लोक साहित्य का सैद्धान्तिक विवेचन (अध्ययन) लोक से अभिप्राय, लोक मानस, लोक का संबंध आदिम से अद्यतन, लोक साहित्य एवं परिनिष्ठित साहित्य का संबंध एवं भेद, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों- नृविज्ञान, दर्शन, इतिहास, समाजशास्त्र एवं मनोविज्ञान से संबंध। (12 Hours)
UNIT -II	हिन्दी प्रदेशों (राजस्थान, ब्रज, अवध) के लोक साहित्य का अध्ययन। यथा : लोकगीत, लोक गाथा, लोककथा, लोक नाट्य, लोक संगीत इत्यादि प्रदर्शनकारी कलाओं का अध्ययन। (12 Hours)
UNIT-III	राजस्थान की विभिन्न बोलियाँ- मारवाड़ी, मेवाड़ी, ढूँढाड़ी, हाड़ौती, मेवाती और वागड़ी का परिचय, क्षेत्र एवं विशेषताएं। (12 Hours)
UNIT-IV	राजस्थान के प्रमुख लोक देवी-देवता- रामदेवजी, तेजाजी, पाबूजी, गोगाजी, आई माता, करणी माता, जीणमाता, आवरी माता (आसावारा माता) मेवाड़-वागड़ अंचल का लोक साहित्य व संस्कृति- लोक गीत, लोक गाथा, लोक संगीत व वाद्य, लोक नाट्य। (12 Hours)
UNIT-V	राजस्थानी लोक साहित्य एवं संस्कृति का अध्ययन- शोध केन्द्र, मेले, प्रदर्शनी, संग्रहालय, पत्र-पत्रिकाएँ। लोक के क्षेत्र के महत्त्वपूर्ण हस्ताक्षर- लक्ष्मी कुमारी चुण्डावत, कोमल कोठारी, विजयदान देथा, देवीलाल सामर, डॉ. कन्हैयालाल सहल, रामनरेश त्रिपाठी, कृष्णदेव उपाध्याय, डॉ. सत्येन्द्र, मनोहर शर्मा, नारायण सिंह भाटी, महेंद्र भाणावत। (12 Hours)

Text Books	
Reference Books	1. ए.के. रामानुजन : भारत की लोक कथाएँ, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली 2. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर 3. जयसिंह नीरज (सं.) : राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर 4. राहुल सांकृत्यायन : हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास, भाग-16, हिंदी का लोक साहित्य, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी 5. कृष्णदेव उपाध्याय : लोक संस्कृति की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली 6. डी.आर. आहूजा : राजस्थान लोक संस्कृति और साहित्य, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली 7. देवीलाल सामर : भारतीय लोक नाट्य : वस्तु और शिल्प, भारतीय लोक कला मण्डल, उदयपुर 8. नानुराम संस्कर्ता : राजस्थानी लोक साहित्य, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर 9. श्यामाचरण दुबे : लोक परम्परा, पहचान और प्रवाह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 10. महीपाल सिंह : लोक साहित्य की रूपरेखा, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर 11. गोपीनाथ : हाड़ोती का लोक साहित्य, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर। 12. नीतू परिहार (सं.) : लोक : साहित्य एवं संस्कृति, अंकुर प्रकाशन, उदयपुर। 13. नीतू परिहार (सं.) : लोकगीत की भावधारा अंकुर प्रकाशन, उदयपुर।

	14.आशीष सिसोदिया : मेवाड़ की लोक परंपराएँ एवं लोकगीत, आर्य बुक डिपो, उदयपुर।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Fourth Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9114T**
Title of the Course	**विशेष अध्ययन : छायावाद**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, + 10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. **विद्यार्थियों में हिंदी के छायावादी कवियों और उनके काव्य की प्रवृत्तियों के प्रति समझ विकसित करना।** 2. **हिंदी के छायावादी कवियों समय और समाज से अवगत कराना।** 3. **छायावादी कविता की प्रवृत्तियों और दार्शनिक चिंतन से अवगत करना।** 4. **छायावादी कविता में रहस्यवाद और मानवीकरण जैसी नूतन प्रवृत्तियों की जानकारी देना।**
Learning outcomes	1. **छायावादी कवियों और उनके काव्य की प्रवृत्तियों को जान सकेंगे।** 2. **छायावादी कविता में निहित दार्शनिक चेतना को जान सकेंगे।** 3. **रहस्यवाद और मानवीकरण जैसी नूतन प्रवृत्तियों के बारे में विचार व्यक्त कर सकेंगे।**

	4. छायावादी कविता में निहित प्रेम, विरह और सौन्दर्य भावना का वर्णन कर सकेंगे।
Syllabus	
UNIT-I	प्रसाद : तू आता है फिर जाता है (झरना), आँसू : पद 1 से 30 तक, उठ-उठ री लघु लोल लहर, मधुप गुनगुनाकर, ले चल मुझे भुलावा देकर, बीती विभावरी, अब जागो जीवन के प्रभात, वे कुछ दिन कितने सुंदर थे (लहर), लज्जा सर्ग (कामायनी) चयनित कविताओं से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT -II	निराला : संध्या सुंदरी, जूही की कली, शेफालिका (परिमल), प्रिय यामिनी जगी, सखि ! वसंत आया, कौन तम के पार, सखी री यह डाल, तुम छोड़ गए द्वार, कौन तुम शुभ्र किरण वसना, धन्य कर दे माँ, तुमही गाती हो अपना गान (गीतिका), तुलसीदास : पद संख्या 1 से 30 तक, चयनित कविताओं से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-III	पंत : आज वेदने! आ तुझको भी, प्रथम रश्मि का आना..(वीणा), पल्लव, विनय, मधुकरी, मोह, मौन निमंत्रण, वसंत श्री, मुस्कान, छाया, सोने का गान, जीवन यान, स्याही की बूँद (पल्लव), गुंजन, मैं नहीं चाहता चिर सुख, ज्योतिर्मय जीवन, देखूं सबके उर की डाली, क्या मेरी आत्मा का चिरधन, कलरव किसको नहीं सुहाता, नौका विहार' (गुंजन) चयनित कविताओं से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-IV	महादेवी :

	निशा को धो देता राकेश, वे मुस्काते फूल, नहीं, घोर तम छाया चारों ओर, जो तुम आ जाते एक बार (नीहार), चुभते ही तेरा, कुमुद दल से वेदना, दिया क्यों जीवन, कह दे माँ, अलि कैसे उनको पाऊं (रश्मि), धीरे-धीरे उतर क्षितिज से, विरह का जलजात जीवन, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, रूपसि तेरा घन-केश-पाश, मधुर मधुर मेरे दीपक जल, कैसे संदेश प्रिय पहुँचाती, क्या पूजन क्या अर्चन रे? (नीरजा), शून्य मंदिर में बनूँगी मैं प्रतिमा तुम्हारी, शलभ मैं शापमय वर हूँ!, मैं नीर भरी दुख की बदली, कीर का प्रिय आज पिजर खोल दो' (सांध्य गीत) से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-V	छायावादी काव्य आंदोलन : नामकरण, प्रमुख कवि और उनका काव्य वैशिष्ट्य, छायावाद और स्वच्छंदतावाद, छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ- सौंदर्य चेतना, प्रेम निरूपण, वैयक्तिकता, कल्पनाशीलता, राष्ट्रप्रेम, रहस्यवाद, काव्य भाषा, बिंब, प्रतीक, मानवीकरण, लाक्षणिकता, मुक्त छंद आदि। (12 Hours)
Text Books	1. जयशंकर प्रसाद ग्रंथावली, खंड-4, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज। 2. निराला संचयन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. सुमित्रानंदन पन्त : पल्लव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. महादेवी वर्मा : यामा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
Reference Books	1. छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 2. नंद किशोर नवल : निराला काव्य की छवियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. कुमार विमल : छायावाद का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. महादेवी : इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 5. प्रेमशंकर : प्रसाद का काव्य, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

	6. रामस्वरूप चतुर्वेदी : प्रसाद, निराला, अज्ञेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 7. निराला : आत्महंता आस्था : दूधनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 8. गणपतिचंद्र गुप्त : महादेवी का नया मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 9. डॉ. नवीन नंदवाना : छायावाद : एक पुनर्विचार, नेशनल पब्लिकेशंस, जयपुर। 10. राजेश कुमार : छायावाद का पुनः पाठ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Fourth Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9115T**
Title of the Course	**हिंदी कविता में राष्ट्रीय-सांस्कृतिक धारा**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. **विद्यार्थियों में हिंदी कविता में वर्णित राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना के प्रति समझ विकसित करना।** 2. **विद्यार्थियों को हिंदी के राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना के कवियों समय और समाज से अवगत कराना।** 3. **राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना की कविता की प्रवृत्तियों और चिंतन दृष्टि से अवगत करना।** 4. **भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन में हिंदी के राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना के कवियों के योगदान से परिचित कराना।**
Learning outcomes	1. **विद्यार्थियों में हिंदी कविता में वर्णित राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना के प्रति समझ विकसित होगी।** 2. **विद्यार्थी हिंदी के राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना के कवियों के समय और समाज से अवगत हो सकेंगे।** 3. **विद्यार्थी हिंदी की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना की कविता की प्रवृत्तियों और चिंतन दृष्टि से अवगत होंगे।**

	4. विद्यार्थी भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन में हिंदी के राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना के कवियों के योगदान से परिचित होंगे।
Syllabus	
UNIT-I	मैथिलीशरण गुप्त : मातृभूमि, भारतवर्ष, नर हो, न निराश करो मन को सियारामशरण गुप्त : हम सैनिक हैं, जय-जय भारतवर्ष हमारे, एक हमारा देश श्रीधर पाठक : हिंद-वंदना, भारत-भूमि, भारत-श्री रामनरेश त्रिपाठी : वह देश कौन-सा है ?, स्वदेश गौरव, सत्याग्रह-गीत चयनित रचनाओं से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न (12 Hours)
UNIT -II	जयशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री, अब जागो जीवन के प्रभात, पेशोला की प्रतिध्वनि निराला : जागो फिर एक बार, महाराज शिवाजी का पत्र, भारति जय विजय करे सोहन लाल द्विवेदी : वन्दना के इन स्वरों में, मातृभूमि, हिमालय चयनित रचनाओं से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न (12 Hours)
UNIT-III	माखन लाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा, सिपाही, कैदी और कोकिला, बालकृष्ण शर्मा नवीन : विप्लव गान, ओ मजदूर किसान उठो, अरे तुम हो काल के भी काल सुभद्रा कुमारी चौहान : झासी की रानी, वीरों का कैसा हो बसंत, जलियावाला बाग में बसंत चयनित रचनाओं से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न (12 Hours)
UNIT-IV	गया प्रसाद शुक्ल सनेही : सन् 1857 की जनक्रांति, स्वदेश, स्वतंत्रता, आज़ादी आ रही है

	दिनकर : हिमालय, जवानी का झंडा, यह प्रदीप जो दीख रहा है झिलमिल दूर नहीं है श्यामनारायण पाण्डेय : हल्दीघाटी- द्वादश सर्ग (निर्बल बकरों से बाघ लड़े.....वारिद-मिस रोती आई॥) चयनित रचनाओं से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न (12 Hours)
UNIT-V	हिंदी कविता में राष्ट्रीय-सांस्कृतिक धारा : प्रमुख कवि और उनका काव्य वैशिष्ट्य, हिंदी कविता में राष्ट्रीय-सांस्कृतिक धारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। (12 Hours)
Text Books	
Reference Books	1. रघुवर सिंह : हिंदी की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा, भाषा प्रकाशन, नई दिल्ली। 2. अमरनाथ दुबे : हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा एवं सामाजिक सांस्कृतिक संगठन, लोकहित प्रकाशन, लखनऊ। 3. प्रज्ञा पांडे : हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा और युगीन संदर्भ, संजय बुक सेंटर, वाराणसी। 4. डॉ अभय कुमार खैरनार : राष्ट्रीय काव्यधारा, कुमुद पब्लिकेशंस, जलगांव। 5. डॉ. विनम्र सेन सिंह : हिंदी के राष्ट्रवादी कवि, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Fourth Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9116T**
Title of the Course	**विशेष अध्ययन : प्रेमचंद**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. प्रेमचंद के कथा साहित्य के बारे में विद्यार्थियों की मूलभूत समझ विकसित करना। 2. प्रेमचंद की निबंध कला के वैशिष्ट्य को जानना। 3. हिंदी पत्रकारिता के विकास में प्रेमचंद के योगदान को समझना। 4. प्रेमचंद के कथा साहित्य के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक यथार्थ में समझना।
Learning outcomes	1. हिंदी उपन्यासों के विकास में प्रेमचंद के योगदान को जान सकेंगे। 2. भारतीय समाज की तत्कालीन यथार्थ परिस्थितियों के बारे में समझ विकसित हो सकेगी। 3. निबंध और पत्रकारिता के आपसी संबंधों को समझ सकेंगे। 4. कथा साहित्य के नए सामाजिक दृष्टिकोण को जान सकेंगे।

Syllabus	
UNIT-I	उपन्यास : रंगभूमि से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT -II	कहानियां : दुनिया का सबसे अनमोल रत्न, पंचपरमेश्वर, नमक का दरोगा, बड़े घर की बेटी, नशा, बड़े भाई साहब, ईदगाह, पूस की रात, बूढ़ी काकी, कफन कहानियों से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-III	जीवनी : 'प्रेमचंद घर में' (शिवरानी देवी) से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-IV	निबंधकार : साहित्य का उद्देश्य, कहानी कला-1, कहानी कला-2, कहानी कला-3, उपन्यास, उपन्यास का विषय, जीवन में साहित्य का स्थान, राष्ट्र भाषा हिंदी और उसकी समस्याएं से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-V	प्रेमचन्द का उपन्यास साहित्य : एक विहंगावलोकन, प्रेमचन्द के उपन्यासों की केन्द्रीय वस्तु और विचार। प्रेमचन्द का कहानी साहित्य : एक विहंगावलोकन, प्रेमचन्द की कहानियों की केन्द्रीय वस्तु और विचार। प्रेमचन्द के निबंध साहित्य का विहंगावलोकन, निबंध में व्यक्त विचारों स्वरूप, प्रेमचन्द द्वारा सम्पादित पत्र पत्रिकाओं का परिचय, जागरण, मर्यादा, माधुरी, हंस आदि। सम्पादक के रूप में प्रेमचन्द का महत्व तथा हिन्दी पत्रकारिता को प्रदेय। (12 Hours)

Text Books	1. प्रेमचन्द : रंगभूमि, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली। 2. प्रेमचंद : मानसरोवर, 8 भाग, सुमित्रा प्रकाशन, प्रयागराज। 3. प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य, साहित्य सरोवर, आगरा। 4. शिवरानी देवी : प्रेमचन्द : घर में, नई किताब प्रकाशन, दिल्ली।
Reference Books	1. नरेन्द्र कोहली : प्रेमचन्द के साहित्य, सिद्धान्त, दिल्ली, अशोक प्रकाशन, दिल्ली। 2. अमृतराय : कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, प्रयागराज। 3. रामविलास शर्मा : प्रेमचन्द और उनका युग, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली। 4. कमलकिशोर गोयनका : प्रेमचन्द और उनका युग, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली। 5. महेन्द्र भटनागर : समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचन्द, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी। 6. रत्नाकर पाण्डेय : पत्रकार प्रेमचन्द और हंस, राजेश प्रकाशन, दिल्ली।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Fourth Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9117T**
Title of the Course	**विशेष अध्ययन : महादेवी वर्मा**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. विद्यार्थियों को महादेवी वर्मा के जीवन और रचना संसार से परिचित कराना। 2. महादेवी के गीतों की वेदना, प्रणयानुभूति और करुणा की जानकारी देना। 3. विद्यार्थियों में महादेवी वर्मा के काव्य की प्रवृत्तियों के प्रति समझ विकसित करना। 4. विद्यार्थियों को महादेवी वर्मा की गद्य रचनाओं के वैशिष्ट्य से परिचित कराना। 5. महादेवी वर्मा के काव्य में उपस्थित रहस्यवाद और मानवीकरण जैसी नूतन प्रवृत्तियों की जानकारी देना। 6. महादेवी वर्मा के भारतीय स्त्री के उत्थान विषयक विचारों से अवगत कराना। 7. महादेवी वर्मा के लेख, निबंध, रेखाचित्र और संस्मरण की भाषा और शिल्प की जानकारी देना।

Learning outcomes	1. विद्यार्थी महादेवी वर्मा के जीवन और रचना संसार से परिचित हो सकेंगे। 2. महादेवी वर्मा के गीतों में व्यक्त वेदना, प्रणयानुभूति और करुणा से अवगत होंगे। 3. विद्यार्थियों में महादेवी वर्मा के काव्य की प्रवृत्तियों के प्रति समझ विकसित हो सकेगी। 4. विद्यार्थी महादेवी वर्मा की गद्य रचनाओं के वैशिष्ट्य से परिचित हो सकेंगे। 5. विद्यार्थी को महादेवी वर्मा के काव्य में उपस्थित रहस्यवाद और मानवीकरण जैसी नूतन प्रवृत्तियों की जानकारी होगी। 6. विद्यार्थी भारतीय स्त्री के उत्थान विषयक महादेवी वर्मा के विचारों से अवगत हो सकेंगे। 7. महादेवी वर्मा की कविता, लेख, रेखाचित्र और संस्मरण की भाषा और शिल्प की जानकारी होगी।
Syllabus	
UNIT-I	महादेवी : चयनित कविताएँ मैं अनंत पथ में लिखती जो, घोर तम छाया चारों ओर (नीहार), तुम हो विधु के बिम्ब, कुमुद दल से वेदना (रश्मि), टूट गया वह दर्पण निर्मम, लाये कौन संदेश नए घन, क्या पूजन क्या अर्चन रे?, मधुर मेरे दीपक जल (नीरजा), प्रिय ! संध्या गगन, फिर विकल हैं प्राण मेरे, मैं नीर भरी दुख की बदली (सांध्य गीत), पथ रहने दो अपरिचित, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो, मैं पलकों में पाल रही हूँ (दीपशिखा), पूछो न प्रात की बात आज, वंशी में क्या अब पाञ्चजन्य गाता है, (अग्निरेखा) से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT -II	महादेवी : रामा, घीसा, भक्तिन, चीनी फेरी वाला, नीलकंठ, गोरा और गिल्लू से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)

UNIT-III	महादेवी : दद्दा, निराला, प्रसाद, सुमित्रनंदन पन्त, सुभद्रा, पुण्य स्मरण और राजेंद्र बाबू से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-IV	महादेवी : भारतीय संस्कृति की पृष्ठभूमि, हमारा देश और राष्ट्रभाषा, छायावाद, रहस्यवाद, साहित्यकार की आस्था, भारतीय संस्कृति और नारी, स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न से व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-V	महादेवी वर्मा : व्यक्तित्त्व-कृतित्त्व, विरह-वेदना, रहस्यवाद, काव्य भाषा, गद्य लेखन : महादेवी का गद्य, स्त्री-चिंतन, भाषा, विषय चयन, आलोचना-दृष्टि आदि। (12 Hours)
Text Books	1. महादेवी वर्मा : यामा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज। 2. निर्मला जैन : सं. महादेवी वर्मा संचयिता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : सं. महादेवी रचना संचयन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली। 4. महादेवी वर्मा : संस्मरण, राजपाल एंड संज, दिल्ली। 5. महादेवी वर्मा : मेरा परिवार, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
Reference Books	1. नामवर सिंह : छायावाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 2. दूधनाथ सिंह : महादेवी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. गणपतिचंद्र गुप्त : महादेवी का नया मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 4. परमानंद श्रीवास्तव : महादेवी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 5. डॉ. नवीन नंदवाना : छायावाद : एक पुनर्विचार, नेशनल पब्लिकेशंस, जयपुर। 6. शची रानी गुर्टू : महादेवी वर्मा, आत्माराम एंड संस, दिल्ली।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Fourth Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9118T**
Title of the Course	**हिंदी साहित्य के विविध विमर्श**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. छात्रों को हिंदी साहित्य के विविध विमर्शों को समझाना। 2. सामाजिक न्याय, समानता और विकास को प्रोत्साहित करना। 3. समाज में समरसता और सामाजिक समृद्धि को सुनिश्चित करना। 4. स्त्री, दलित एवं आदिवासी समुदायों के अधिकारों की सुरक्षा और समर्थन करना। 5. समाज, साहित्य, कला और सांस्कृतिक धरोहर में इन विमर्शों की महत्वपूर्ण भूमिका को समझाना।
Learning outcomes	1. समाज में स्त्री, दलित एवं आदिवासी समुदायों के सामाजिक स्थान का सुधार हो सकेगा। 2. समाज में सामाजिक न्याय और समानता कप लेकर जागरूकता बढ़ेगी। 3. अधिकारों की सुरक्षा और समर्थन में सुधार संभव हो सकेगा। 4. इन सभी विमर्शों के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक पहचान को विकसित करने की दिशा में पहल हो सकेगी।

	5. समाज में समरसता, सामाजिक समर्थन और समृद्धि का साझा विकास हो सकेगा।
Syllabus	
UNIT-I	कविता : अनामिका : स्त्रियाँ, तुलसी का झोला, अनुवाद ; सविता सिंह : मैं कथा कहूँगी, नमन करूँ छोटी बेटियों को, मुझे वह स्त्री पसंद है ; गगन गिल : कुछ लड़कियों के पास घर नहीं होते, यह लड़की जब उदास होगी, एक दिन लोटैगी लड़की ओमप्रकाश वाल्मीकि : ठाकुर का कुआँ, तब तुम क्या करोगे?, बस्स ! बहुत हो चुका ; कँवल भारती : चिड़िया जो मारी गई, पिंजड़े का द्वार खोल देना, नई सदी में प्रवेश ; श्योराज सिंह बेचैन : अँधेरा चीरने की शक्ति, अँधेरा समाज का, अपराधबोध निर्मला पुतुल : उतनी दूर मत ब्याहना बाबा, आदिवासी स्त्रियाँ, संथाल परगना ; महादेव टोप्पो : पका कटहल और आदिवासी बच्चे, महुआ भरा टोकरी सा दिन, रच डालेंगे फिर दुनिया नई ; वंदना टेटे : तुम रोक नहीं पाओगे, उलगुलान की औरतें, हम धरती की माड़ हैं कविताओं से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT -II	कहानी : मनीषा कुलश्रेष्ठ : कुरजां ; मन्नु भंडारी : त्रिशंकु ; मृदुला गर्ग : हरी बिंदी ; मोहनदास नैमिशराय : रीत ; ओमप्रकाश वाल्मीकि : शवयात्रा ; रत्नकुमार सांभरिया : बकरी के दो बच्चे ; डॉ. रामदयाल मुंडा : खरगोशों का कष्ट ; हरिराम मीणा : सांवड़या, संजीव : दुनिया की सबसे हसीन औरत कहानियों से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)

UNIT-III	उपन्यास : रणेंद्र : ग्लोबल गाँव का देवता से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-IV	आत्मकथा : मैत्रेयी पुष्पा : कस्तूरी कुंडल बसै से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-V	स्त्री विमर्श : अवधारणा, इतिहास, पितृसत्ता और लिंगभेद, मुक्ति-संघर्ष : भारतीय और विदेशी संदर्भ। दलित विमर्श : अवधारणा, इतिहास, मुक्ति-आंदोलन (फुले और अम्बेडकर), हाशिया बनाम मुख्यधारा। आदिवासी विमर्श : अवधारणा, इतिहास, मुक्ति-आंदोलन : जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल। (12 Hours)
Text Books	1. रणेंद्र : ग्लोबल गाँव का देवता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 2. मैत्रेयी पुष्पा : कस्तूरी कुंडल बसै, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
Reference Books	1. प्रभा खेतान : स्त्री उपेक्षिता, हिन्द पाकेट बुक्स, दिल्ली। 2. राजकिशोर : सं. स्त्री : परंपरा और आधुनिकता, वाणी प्रकाशन, दिल्ली। 3. कुसुम त्रिपाठी : स्त्री संघर्ष के सौ वर्ष, भावना प्रकाशन, दिल्ली। 4. गुणशेखर : दलित साहित्य का स्वरूप : विकास और प्रवृतियाँ, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली। 5. विमल थोराट : दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली। 6. हरिनारायण ठाकुर : दलित साहित्य का समाजशास्त्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली।

	7. ओमप्रकाश वाल्मीकि : दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली। 8. रमणिका गुप्ता : सं. आदिवासी : विकास से विस्थापन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 9. हरिराम मीणा : आदिवासी दुनिया, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली। 10. वंदना टेटे (सं.) : आदिवासी जीवन दर्शन, विकल्प प्रकाशन, दिल्ली।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org

M.A. (Two Years Degree Program)	
Fourth Semester	
Subject- Hindi	
Code of the Course	**HIN 9119T**
Title of the Course	**प्रवासी हिंदी साहित्य**
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 6.5**
Credit of the course	**4**
Type of the course	**Discipline Specific Elective (DSE) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**Lecture, 40+10+10=60hr. (The 40 lectures for content delivery + 10 on diagnostic assessment, formative assessment, +10 Tutorial)**
Prerequisites	**B.A.**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	1. विद्यार्थियों को भारत के बाहर लिखे जा रहे हिंदी साहित्य और उसकी सरंचना से रू-ब-रू कराना। 2. विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के वैश्विक परिदृश्य को समझने की दृष्टि प्रदान करना। 3. हिंदी भाषा के महाशक्ति के रूप में बढ़ते कदम से परिचय कराना। 4. प्रवासी हिंदी साहित्य की विविध साहित्यिक अभिव्यक्तियों की विद्यार्थियों में समझ विकसित करना। 5. समाज, साहित्य, कला और सांस्कृतिक धरोहर में प्रवासी हिंदी साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका को समझाना।
Learning outcomes	1. भारत के बाहर लिखे जा रहे हिंदी साहित्य और उसकी सरंचना से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे। 2. समाज, साहित्य, कला और सांस्कृतिक धरोहर में प्रवासी हिंदी साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका को समझ सकेंगे।

	3. प्रवासी हिंदी साहित्य की विविध साहित्यिक अभिव्यक्तियों की विद्यार्थियों में समझ विकसित हो सकेगी। 4. विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के वैश्विक परिदृश्य को समझने की दृष्टि मिल सकेगी। 5. हिंदी भाषा के महाशक्ति के रूप में बढ़ते कदम से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
Syllabus	
UNIT-I	कविता : सुधा ओम ढींगरा (अमेरिका) : मां कहती थी, बर्फीली सर्दी का पहला दिन, देश की छांव, अनीता पुरोहित (कनाडा) : सब कुछ चाहिए, विवशता, रूढ़ियों, पुष्पिता अवस्थी (नीदरलैंड) : अपनी तरह से, परछाई खोजती हुई, आकाशगंगा : अनीता कपूर (अमेरिका) : तुम हो, शायद एक चाह, खामियाजा डॉ. सुरेश चंद्र शुक्ल 'शरद आलोक' (नार्वे) : दूर देश से आई चिट्ठी, युग पुरुष गाँधी से, धन्य भारतीय संस्कृति कविताओं से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT -II	कहानी : तेजेंद्र शर्मा (ब्रिटेन) : अभिशप्त, सुषम बेदी (अमेरिका) : कितने अतीत, रेखा राजवंशी (ऑस्ट्रेलिया) : श्यामली जीजी, शैलजा सक्सेना (कनाडा) : थोड़ी दूर और, नीलम मलकाना (जापान) : पिंजरा, जकिया जुबेरी (ब्रिटेन) : सांकल कहानियों से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)

UNIT-III	उपन्यास : अभिमन्यु अनत : 'लाल पसीना' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-IV	नाटक : अचला शर्मा (ब्रिटेन) : 'पासपोर्ट' से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। (12 Hours)
UNIT-V	प्रवासी साहित्य की अवधारणा, अर्थ और क्षेत्र, सामाजिक मूल्यवता, वैशिष्ट्य, प्रवासी जीवन की विसंगतियां, इतिहास और विकास, प्रवासी साहित्य का हिंदी के विकास में योगदान। (12 Hours)
Text Books	1. अभिमन्यु अनत : 'लाल पसीना', प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली। 2. कमल किशोर गोयनका : जोहान्सबर्ग से आगे, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली। 3. अचला शर्मा : 'पासपोर्ट', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
Reference Books	1. कमल किशार गोयनका : मॉरिशस के हिन्दी साहित्यकार अभिमन्यु अनत : एक बातचीत, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली 2. कमल किशोर गोयनका : अभिमन्यु अन्त की साहित्य-यात्रा, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. डॉ. कमल किशोर गोयनका : हिंदी का प्रवासी साहित्य, अमित प्रकाशन, पुणे। 4. जगदीश प्रसाद अग्रवाल : दुनियां जैसी मैंने देखी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

	5. पुष्पिका अवस्थी : कथा सूरीनाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 6. विमलेश कांति वर्मा व भावना सक्सेना : सूरीनाम का सृजनात्मक हिंदी साहित्य, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली। 7. डॉ. नूतन पाण्डेय, डॉ. दीपक पाण्डेय : प्रवासी साहित्य विश्व के हिंदी साहित्यकारों से संवाद खंड-1 व 2, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली।
Suggested E-resources	https://epgp.inflibnet.ac.in https://hindisamay.com https://wikipedia.org